Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 68
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
बुधवार,08 अक्टूबर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 मिशन 2027:सक्रिय हो गई सभी सियासी पार्टियां
4 ताकि दवा जहर बन फिर से मासूमों की मौत न बने
5 'हल्की खुशबू से नफरत...', हिना खान ने खुद को

सफाई मित्र मां जैसी भूमिका निभा रहे,राम का विरोध यानी महर्षि वाल्मीकि का अपमान:सीएम

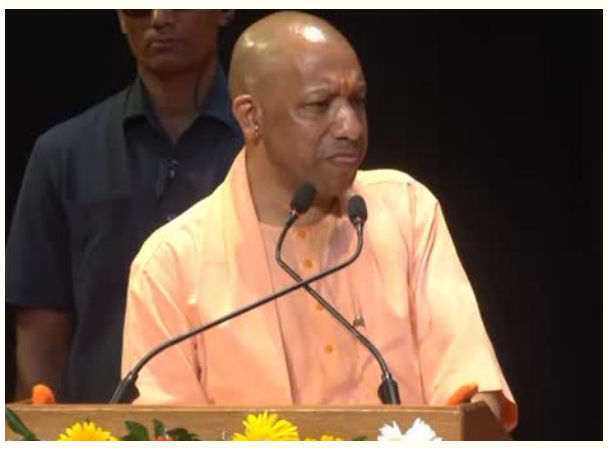

लखनऊ (संवाददाता)। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा जो लोग वोट बैंक की राजनीति करते हैं, वो सामाजिक न्याय के पुरोधा बनते फिर रहे। सपा सरकार ने सामाजिक न्याय के पुरोधाओं की मूर्तियां और स्मारक हटाने की कोशिश की थी। भाजपा के विरोध के बाद इन लोगों को पीछे हटना पड़ा। कई संस्थाओं के नाम महापुरुषों पर थे, उन्हें भी बदल दिया था। ये वही लोग हैं जो कहते हैं कि राम और कृष्ण हुए ही नहीं। राम का विरोध करना, मतलब वाल्मीकि का विरोध करने जैसा है। सीएम योगी लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित महर्षि वाल्मीकि जंयती पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा सपा सरकार में सफाई कर्मियों का शोषण होता था, उन्हें सिर्फ 4 हजार रुपए मानदेय मिलता था। हमारी सरकार ने वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता दी है। अब वेतन नियमित रूप से सीधे उनके खातों में जाएगा। हर सफाई कर्मी को 5 लाख रुपए का बीमा कवर मिलेगा। सीवर की सफाई अब मशीनों से कराई जाएगी। इसके बावजूद अगर कोई हादसा होता है, तो परिवार को 35-40 लाख रुपए का मुआवजा देने की व्यवस्था बैंक के साथ मिलकर की जा रही है। प्रदेश के 80 हजार होमगार्डों को पहले ही ऐसी सुविधा से लैस किया जा चुका है। योगी ने वाल्मीकि समाज से अपील की कि वे अपने बच्चों को खूब पढ़ाएं, उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ाइए। मां जिस तरह बच्चे की गंदगी साफ करती है। उसी तरह आप समाज को स्वच्छ रखने का काम करते हैं। आप समाज के लिए मातृत्व की भूमिका निभा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा महर्षि वाल्मीकि भारत के उन महापुरुषों में हैं, जिन्होंने राष्ट्र का भाग्य लिखा। जब उन्होंने कलम उठाई तो समाज की बजाय सीधे देवर्षि नारद से सवाल किया कि कौन ऐसा है जो चरित्रवान व्यक्ति है, जिसके जीवन पर मैं लिखूं। हजारों साल पहले महर्षि वाल्मीकि ने जो भावना रखी, वही आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। हमारी पहचान चरित्र से बनती है, पहनावे से नहीं। यही बात स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में कही थीं। महर्षि वाल्मीकि ने जब आदि काव्य लिखा, तो उसे राम पर आधारित किया क्योंकि उन्होंने कहा था- राम ही साक्षात धर्म हैं। मयार्दा पुरुषोत्तम राम का चरित्र ही हमें जीवन जीने की प्रेरणा देता है। योगी ने कहा वाल्मीकि जयंती हर साल भव्यता से मनाई जाएगी। अखंड रामायण का पाठ हर मंदिर में होना चाहिए। महर्षि वाल्मीकि का चित्र हर भारतीय के घर में होना चाहिए। हम जो मेहनत करते हैं सांसारिक उत्कर्ष के लिए करते हैं। लेकिन महर्षि ने सांसारिक उत्कर्ष के साथ मुक्ति की राह भी दिखाई है। देश का पहला इंटरनेशनल भगवान वाल्मीकि के नाम पर अयोध्या में बना है। सप्त ऋषियों में एक प्रतिमा महर्षि वाल्मीकि की भी है। ये काम भाजपा की डबल इंजन की सरकार में हो रहा है। जो राम के अस्तित्व पर विश्वास नहीं करते, राम भक्तों पर गोली चलाते हैं, वो इस तरह के काम कर रही नहीं सकते। रामायण काल में वाल्मीकि, महाभारत में वेदव्यास, मध्यकाल में संत रविदास और स्वतंत्रता संग्राम में डॉ. भीमराव अंबेडकर समाज के पथप्रदर्शक बने। 2017 से पहले यूपी की सपा सरकार में दलितों पर अत्याचार आम बात थी। जब मैं सत्ता में आया तो कहा कि किसी दलित का मकान नहीं तोड़ा जाएगा। अगर तोड़ना जरूरी हुआ तो उन्हें नया मकान या जमीन दी जाएगी।। कार्यक्रम के दौरान महर्षि वाल्मीकि के जीवन से जुड़े स्थलों पर हुए विकास कार्यों पर आधारित एक विशेष डॉक्यूमेंट भी प्रदर्शित किया गया। ब्रजेश पाठक ने कहा महर्षि वाल्मीकि ने पूरी दुनिया में सनातन संस्कृति का प्रचार किया। सपा और कांग्रेस के शासन में दलितों पर सबसे ज्यादा अत्याचार हुए। योगी की सरकार वंचितों की सरकार है। अब कोई गुंडा असलहा लेकर घूमने की हिम्मत नहीं करता। हमारी बहनबेटियां सुरक्षित हैं उन्होंने कहा पीएम मोदी ने हर घर शौचालय बनवाकर सिर पर मैला ढोने की परंपरा खत्म की।

विकसित भारत का रक्षा संकल्प

राजनाथ ने गिनाए आत्मनिर्भरता के 3 बड़े लक्ष्य

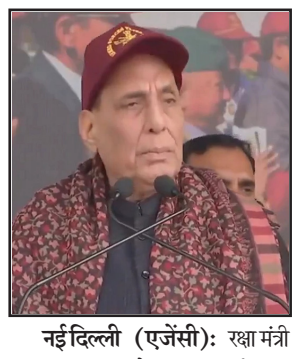

नई दिल्ली (एजेंसी): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं में उच्च आत्मनिर्भरता प्राप्त करने, रक्षा क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक निर्यातक बनने और अत्याधुनिक तकनीकों में अग्रणी बनने को 'विकसित भारत' का लक्ष्य बताया। उन्होंने 'रक्षा नवाचार संवाद' में कहा कि इन लक्ष्यों की प्राप्ति से भारत रक्षा नवाचार में विश्व का अग्रणी देश बनेगा और गैर-संपर्क युद्ध जैसी आधुनिक चुनौतियों का सामना कर पाएगा। यह 'रक्षा आत्मनिर्भरता' और 'रक्षा निर्यात' पर सरकार के केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को विकसित भारत लक्ष्य की प्राप्ति हेतु तीन लक्ष्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत को महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं में उच्च स्तर की आत्मनिर्भरता हासिल करनी होगी और रक्षा क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक निर्यातक बनना होगा। सिंह नई दिल्ली में 'रक्षा नवाचार संवाद' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत अत्याधुनिक तकनीकी उद्योगों में अग्रणी है; भारत को अग्रणी बनाने के लिए, हमें नई विशिष्ट तकनीकों में प्रगति हासिल करनी होगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि यदि भारत इन तीनों लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम होता है, तो भारत रक्षा नवाचार के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश बन सकता है। उन्होंने कहा कि आज, जब हम 2047 तक 'विकसित भारत' बनने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं, हमें तीन प्रमुख बातों को ध्यान में रखना होगाः पहला, हमें महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं में उच्च स्तर की आत्मनिर्भरता हासिल करनी होगी। दूसरा, हमें रक्षा क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक निर्यातक बनना होगा। तीसरा, अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में भारत को आगे बढ़ाने और भारत को अग्रणी बनाने के लिए, हमें कुछ नई विशिष्ट तकनीकों में प्रगति हासिल करनी होगी। अगर हम ये तीन चीजें हासिल कर लेते हैं, तो हम न केवल 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित कर पाएंगे, बल्कि रक्षा नवाचार के क्षेत्र में भी भारत को दुनिया का अग्रणी देश बना पाएंगे।

हरियाणा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वाई पूरन कुमार ने की खुदकुशी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वाई पूरन कुमार मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास में मृत पाए गए और उनके शरीर पर गोली के निशान मिले हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, पूरन कुमार द्वारा आत्महत्या किये जाने की आशंका है। वाई पूरन कुमार की पत्नी अमनीत पी कुमार आईएएस हैं। जब ये घटना घटी तब उनकी पत्नी अमनीत घर पर मौजूद नहीं थीं। दरअसल, अमनीत पी कुमार सीएम के साथ जापान गए अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल में विदेश दौरे पर हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 2001 बैच के अधिकारी रोहतक के सुनारिया स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में महानिरीक्षक पद पर कार्यरत थे। चंडीगढ़ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कंवरदीप कौर ने संवाददाताओं को बताया, अपराह्न करीब 1.30 बजे हमें सेक्टर 11 पुलिस थाना में सूचना मिली। सेक्टर 11 के एसएचओ और उनकी टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आत्महत्या की सूचना मिली थी... शव की पहचान आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के रूप में हुई है।

चारों धामों में बर्फबारी; कई वर्षों के बाद अक्तूबर में दिखा ऐसा खूबसूरत नजारा, चोटियां बर्फ से लकदक

चमोली/उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड में चारों धामों ने बर्फ की सफेद चादर ओढ़ ली है। कई वर्षों बाद अक्तूबर में ऐसा खूबसूरत नजारा देखने को मिला है। चोटियां भी बर्फ से लकदक हैं। बदरीनाथ, हेमकुंड साहिब सहित नीती और माणा घाटी में आज सुबह से बर्फबारी जारी है। कड़ाके की ठंड भी पड़ रही है। चमोली में चारों ओर बर्फ की सफेद चादर बिछी है। वहीं गंगोत्री धाम की ऊंची चोटियों में बर्फबारी हो रही है। दो दिनों से चमोली जनपद में बारिश और बर्फबारी का सिलसिला अभी भी थमा नहीं है। बदरीनाथ धाम, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, नर-नारायण पर्वत, उर्वशी पर्वत के साथ ही नीती और माणा घाटियों में बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है। कई वर्षों बाद लोगों को अक्तूबर में ऐसी बर्फबारी देखने को मिल रही है। मौसम में अचानक आए इस बदलाव से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। निजमुला घाटी के ईराणी गांव के समीप की चोटियां भी बर्फ से लकदक हो गई हैं।

ईराणी गांव से आ रही फोटो और वीडियो रोमांचित करने वाली हैं। गोपेश्वर, पोखरी, नंदानगर, कर्णप्रयाग, गौचर, गैरसैंण, थराली, देवाल, नारायणबगड़ क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही है। ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। उत्तराखंड के दो प्रमुख धाम बदरीनाथ और केदारनाथ समेत ऊंचाई वाले इलाकों में हुई बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिला। उधर मैदानी इलाकों में हुई बारिश ने ठंड का भी अहसास कराया। आंकड़ों पर नजर डालें तो दून का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री गिरावट के साथ 27.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। वहीं, दोपहर बाद हुई तेज दौर की बारिश से न सिर्फ मौसम सुहाना हुआ, बल्कि ठंड के चलते लोगों को हल्के कर्म कपड़े भी बाहर निकल गए। हालांकि रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक रहा। बारिश के आंकड़ों की बात करें तो अकेले दून में 9.7 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। जबकि बीते दिनों यह तापमाना सामान्य से तीन से चार डिग्री तक की बढ़ोतरी के साथ दर्ज किया जा रहा था।

रायबरेली में दलित युवक की हत्या पर बोले राहुल गांधी

भीड़ तंत्र को सत्ता का संरक्षण, बुलडोजर ने ली संविधान की जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में एक दलित व्यक्ति की हत्या की घटना को लेकर मंगलवार को दावा किया कि हिंसा और भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है, जहां संविधान की जगह बुलडोजर और इंसाफ की जगह डर ने ले ली है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ एक संयुक्त बयान में दलित व्यक्ति हरिओम वाल्मीकि की हत्या को संविधान के प्रति घोर अपराध भी करार दिया और कहा कि वर्ष 2014 के बाद से मॉब लिंचिंग, 'बुलडोजर अन्याय' और भीड़तंत्र हमारे समय की भयावह पहचान बन चुके हैं। राहुल गांधी ने यह संयुक्त बयान

'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम हत्या सिर्फ.एक इंसान की नहीं बल्कि इंसानियत, संविधान और न्याय की हत्या है। आज भारत में दलित, आदिवासी, मुसलमान, पिछड़े और गरीब - हर उस व्यक्ति को निशाना बनाया जा रहा है, जिसकी आवाज कमजोर है, जिसकी हिस्सेदारी छीनी जा रही है, और जिसकी ज़िंदगी सस्ती समझी जाती है। उन्होंने दावा किया किया कि देश में नफरत, हिंसा और भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है, जहां संविधान की जगह बुलडोजर ने ले ली है, और इंसाफ की जगह डर ने ले ली है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मैं हरिओम के परिवार के साथ खड़ा हूं। उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। भारत का भविष्य समानता और मानवता पर टिका है और यह देश चलेगा संविधान से, भीड़ की सनक से नहीं। कांग्रेस के दोनों शीर्ष नेताओं ने संयुक्त बयान में कहा, हमारे देश में एक संविधान है, जो हर इंसान को समानता के भाव से पहचानता है। एक कानून है, जो हर नागरिक की सुरक्षा, उसके अधिकार और उसकी अभिव्यक्ति को समान दर्जा देता है। जो रायबरेली में हुआ, वह इस देश के संविधान के प्रति घोर अपराध है। उनका कहना है कि दलित समुदाय के प्रति अपराध इस देश व समाज पर कलंक है। खरगे और राहुल गांधी ने कहा, देश में दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीबों पर अपराध की संख्या हद से ज्यादा बढ़ चुकी है।

पवन सिंह के बाद अब अक्षरा सिंह! गिरिराज से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह की केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाकात ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। इस शिष्टाचार भेंट को लेकर नेटिजन्स में चुनावी टिकट की अटकलें तेज हैं, खासकर जब अक्षरा पहले प्रशांत किशोर के जन सुराज मंच से जुड़ी रही थीं, जो बिहार की चुनावी राजनीति में कलाकारों के बढ़ते प्रभाव को दशार्ती है। नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों के साथ ही राजनीतिक हलचल बढ़ती जा रही है। बिहार चुनाव देश के सबसे चर्चित चुनावी मुकाबलों में से एक है। राजनीतिक दल बहुमत हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। इसी चर्चा के बीच, भोजपुरी गायिका और अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाकात की।

बारिश-भूस्खलन से हुई तबाही का जायजा लेने दार्जिलिंग पहुंचे रिजिजू

दार्जिलिंग/कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में भारी बारिश और भूस्खलन से हुई जनहानि का जायजा लेने के लिए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू दार्जिलिंग पहुंच गए हैं। वहीं उन्होंने जलपाईगुड़ी जिले के नगराकाटा में पार्टी नेताओं पर हमले के बाद सुरक्षा को लेकर प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि वह पहाड़ी क्षेत्रों में हुई बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान का आंकलन करने आए हैं। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री की ओर से मैं बाढ़ प्रभावित लोगों और मृतक परिवारों से मिलने आया हूं। नुकसान का आकलन कर मैं प्रधानमंत्री को रिपोर्ट

दूंगा।' भाजपा नेताओं पर हमले को लेकर टीएमसी को घेरा वहीं उन्होंने भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और विधायक शंकर घोष पर हुए हमले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'लोकसभा अध्यक्ष ने राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। अगर रिपोर्ट में देर होती है, तो हम नियमों के अनुसार प्रिविलेज मोशन के तहत कार्रवाई करेंगे। यह सिर्फ सांसद और विधायक का मामला नहीं है, हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है।' आज भाजपा नेताओं से मुलाकात करेंगे राज्यपाल इस बीच, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस मंगलवार को सिलीगुड़ी के मैतीगरा इलाके के निजी अस्पताल में भर्ती घायल भाजपा नेताओं से मिलने जाएंगे। इस हमले पर राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा, 'जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों, सांसदों और विधायकों पर हमला बेहद चौंकाने वाला और स्तब्ध करने वाला है, ऐसा लोकतंत्र में कभी नहीं होना चाहिए था... बंगाल जैसे प्रबुद्ध राज्य में इसे जारी रहने नहीं दिया जा सकता। यह बेहद चौंकाने वाला है कि यह सब पुलिस की मौजूदगी में हुआ। पुलिस से भारत के संविधान और कानून के शासन को बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है। लेकिन वे मिलीभगत कर रहे हैं और अपना कर्तव्य नहीं निभा रहे हैं। यह बहुत दुखद स्थिति है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मैं सुनिश्चित करूंगा कि 24 घंटे के भीतर अपराधी पकड़े जाएं। अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।'

'चुनाव आयोग में ये बताने की हिम्मत नहीं...', बिहार एसआईआर को लेकर फिर फूटा कांग्रेस का गुस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने मंगलवार को चुनाव आयोग पर फिर से हमला बोलते हुए कहा कि मतदाता सूची से गैर नागरिकों को हटाने के लिए मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण की जरूरत पर बल दिया गया, लेकिन चुनाव आयोग में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह देशवासियों को बता सके कि बिहार में कितने गैर नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए। कांग्रेस महासचिव और पार्टी के संचार प्रभारी जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया में समानता और पारदर्शिता की

कमी है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अगर चुनाव आयोग ने यह जानकारी दी होती कि बिहार में कितने गैर-नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, तो उसकी पोल और भी ज्यादा खुल जाती। जयराम रमेश ने बताया कि बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई मंगलवार से फिर शुरू हो रही है। उन्होंने एक समाचार पत्र में प्रकाशित एक लेख की तस्वीर भी सोशल मीडिया पोस्ट में साझा की, जिसमें एसआईआर प्रक्रिया का विश्लेषण किया गया है। विश्लेषण में दावा किया गया है कि सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने बड़े पैमाने पर लोगों के मताधिकार से वंचित होने की आशंकाओं को कम किया है।

बदला मौसम का मिजाज...प्रदेश के अधिकतर स्थानों पर होगी भारी बारिश

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में मौसम बदलने से तापमान में गिरावट आई और ठंडक बढ़ गई है। उत्तराखंड में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। आज भी यानी 7 अक्टूबर को मौसम विभाग ने प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर अच्छी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार आज भी प्रदेश के अधिकतर क्षेत्रों में वर्षा होने के आसार हैं। 8 से 9 अक्टूबर को भी प्रदेश के अधिकतर जिलों में ऐसा ही मौसम बना रह सकता। जबकि 10 से 12 अक्टूबर को मौसम शुष्क रहने की संभावना है। आज उत्तराखंड राज्य के पिथौरागढ़, बागेश्वर, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और चमोली जिलों के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा और 4 हजार मी या उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। इसके अलावा ज्यादातर जिलों में आज बारिश, गर्जन के साथ बिजली चमकने, 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है। उत्तराखंड में बर्फबारी का अलर्ट जारी किए जाने के साथ ही राज्य में आने वाले पर्यटकों के लिए भी चेतावनी जारी की गई है।

अखिलेश यादव आज जायेंगे रामपुर,आजम खां से करेंगे मुलाकात

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 8 अक्टूबर को बरेली जाएंगे। अखिलेश यादव का समाज वादी पार्टी के सीनियर लीडर आजम खान से मिलने का उनका कार्यक्रम पहले से घोषित है। अखिलेश यादव का रामपुर जाते समय बरेली में रुकने का कार्यक्रम

है। सूत्रों की मानें तो वे वहाँ घायल लोगों के परिजनों से मिल सकते हैं। वे बरेली में समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं से मुलाकात भी करेंगे।सपा चीफ का यह दौरा बहुत अहम माना जा रहा है। अखिलेश यादव के दौरे को लेकर बरेली में अलर्ट है। प्रशासन भी मुस्तैदी से काम कर रहा है। सपा अध्यक्ष कल आजम खान से मिलने उनके घर रामपुर जा रहे हैं।इससे पहले समाजवादी पार्टी के लीडर और पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप आजम खान से भेंट कर आये हैं।

मायावती ने अखिलेश यादव को बताया दलित विरोधी

कांशीराम परिनिर्वाण दिवस से पहले गरमाई यूपी की राजनीति

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस

को लेकर सियासत गरमाती जा रही हैं।सपा कांशीराम का परिनिर्वाण दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन करेगी।इसे समाजवादी पार्टी की अपने पीडीए वोट बैंक को मजबूत करने की कवायद माना जा रहा है। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर हमला बोला है।उन्होंने उन्हें दलित विरोधी बताया है।बसपा अपने संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर नौ अक्तूबर को लखनऊ में एक विशाल रैली करने जा रही है। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बसपा का शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है।बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया साइट एक्स पर इसको लेकर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा, श्श्देश में जातिवादी व्यवस्था के शिकार करोड़ों दलित, आदिवासी व अन्य पिछड़े बहुजनों को शोषित से शासक वर्ग बनाने के बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के मिशनरी आत्म-सम्मान व स्वाभिमान मूवमेन्ट के कारवाँ को जिन्दा करके उसे नई गति प्रदान करने वाले बहुजन समाज पार्टी बीएसपी के जन्मदाता और संस्थापक मान्यवर श्री कांशीराम जी के प्रति विरोधी पार्टियों में भी खासकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस आदि इन पार्टियों का रवैया हमेशा से घोर जातिवादी एवं द्वेषपूर्ण रहा है, जो कि सर्वविदित है।उन्होंने लिखा है, श्श्इसीलिए आगामी नौ अक्टूबर को उनके परिनिर्वाण दिवस पर संगोष्ठी आदि करने का सपा प्रमुख की घोषणा घोर छलावा और लोगों को स्पष्टतः इनके मुंह में राम बगल में छुरी की कहावत को चरितार्थ करने वाला ज्यादा लगता है। सपा ने ना केवल मान्यवर कांशीराम के जीते-जी उनके पार्टी के साथ दगा करके उनके मूवमेंट को यूपी में कमजोर करने की लगातार कोशिशें की हैं, बल्कि बीएसपी सरकार द्वारा 17 अप्रैल सन- 2008 को अलीगढ़ मंडल अन्तर्गत कासगंज को जिला मुख्यालय का दर्जा देकर कांशीराम नगर के नाम से बनाए गए।

केंन्द्रीय मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ के 18 जिलों में व्या प्त चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी

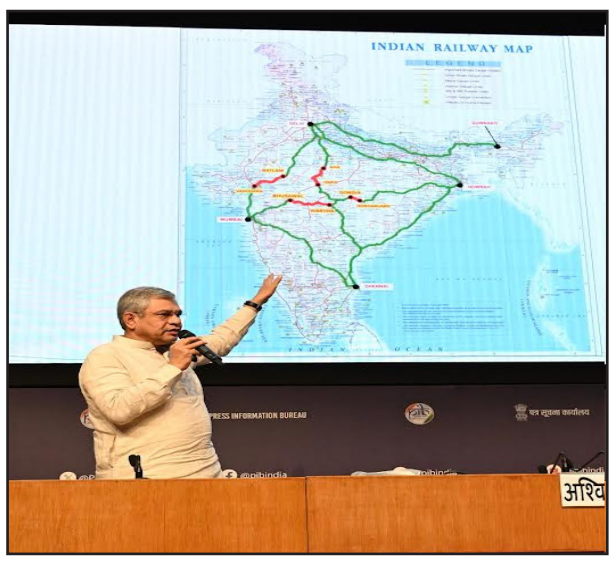

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने आज रेल मंत्रालय की 24,634 करोड़ रुपये के परि०?यय की चार परियोजनाओं को मंजूरी दी। इनमें: महाराष्ट्र में वर्धा - भुसावल के बीच 314 किलोमीटर लंबी तीसरी और चौथी लाइन महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में 84 किलोमीटर लंबी गोंदिया-डोंगरगढ़ चौथी लाइन गुजरात और मध्य प्रदेश में 259 किलोमीटर लंबी वडोदरा-रतलाम तीसरी और चौथी लाइन और, मध्य प्रदेश में 237 किलोमीटर लंबी इटारसी-भोपाल-बीना चौथी लाइन शामिल हैं महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ राज्यों के 18 जिलों में व्याप्त इन चार परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 894 किलोमीटर की वृद्धि होगी। स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 3,633 गांवों, जिनकी जनसंख्या लगभग 85 लाख 84 हजार है, तथा दो आकांक्षी जिलों, विदिशा और राजनांदगांव तक संपर्क बढ़ेगा। लाइन क्षमता में बढ़ोत्तरी से गतिशीलता बढ़ेगी, जिससे भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। मल्टी ट्रैकिंग (पटरियों की संख्या बढ़ाना) प्रस्ताव परिचालन सुगम बनाने और भीड़भाड़ कम करने के लिए लाया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप इन परियोजनाओं से क्षेत्र के लोगों का व्यापक विकास होगा, वे आत्मनिर्भर बनेंगे और उनके लिए रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत तैयार इन परियोजनाओं का उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारक परामर्श द्वारा मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ाना है। ये परियोजनाएं लोगों, वस्तुओं और सेवाओं को निर्बाध संपर्क प्रदान करेंगी। परियोजना खंड सांची, सतपुड़ा बाघ अभयारण्य, प्रागैतिहासिक मानव जीवन के प्रमाणों और प्राचीन शैल चित्रकला के लिए प्रसिद्ध भीमबेटका शैलाश्रय, हजारा जलप्रपात, नवेगांव राष्ट्रीय उद्यान आदि प्रमुख स्थलों को भी रेल संपर्क प्रदान करेगा, जो देश भर के पर्यटकों को आकर्षित करेगा। यह कोयला, कंटेनर, सीमेंट, फ्लाई ऐश, खाद्यान्न, इस्पात आदि वस्तुओं के परिवहन के लिए भी आवश्यक मार्ग है। पटरियों की संख्या बढ़ाए जाने से प्रति वर्ष 78 मिलियन टन की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे के पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण यह देश के जलवायु लक्ष्यों और परिचालन लागत कम करने, तेल आयात (28 करोड़ लीटर) में कमी लाने और कार्बन उत्सर्जन 139 करोड़ किलोग्राम कम करने में मदद करेगा, जो छह करोड़ वृक्षारोपण के बराबर है।

लखीमपुर स्टेशन पर ट्रैक की सफाई करते हुए कर्मचारी

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के सातवे दिन 07 अक्टूबर, 2025 को स्वच्छ पटरी (क्लीन ट्रैक) थीम के अन्तर्गत मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों, ट्रेनों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान रेलवे ट्रैक की गहन साफ-सफाई की गई तथा यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त स्टेशन परिसर, कार्यालयों, कारखानों, डिपों एवं रेलवे अस्पतालों तथा रेलवे कालोनियों की सफाई की गयी। लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर 07 अक्टूबर, 2025 को स्टेशन के ब्लाक सेक्शन में रेलवे ट्रैक के दोनो किनारों एवं उसके आस-पास की सफाई की गई। इस सफाई अभियान में रेलवे तथा अनुबन्ध कर्मचरियों ने सामुहिक श्रमदान किया तथा स्वच्छता से सम्बन्धित विभिन्न संदेशात्मक पोस्टरों के माध्यम से यात्रियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया। वाराणसी मंडल के प्रमुख स्टेशनों के ब्लाक सेक्शन में रेलवे ट्रैक के दोनो किनारों एवं उसके आस-पास की सफाई की गई। इस सफाई अभियान में लगभग 120 रेलवे तथा अनुबन्ध कर्मचरियों ने सामुहिक श्रमदान किया तथा स्वच्छता से सम्बन्धित ह्यस्वच्छ रेल स्वच्छ भारतह्न के पोस्टरों एवं बैनरों के माध्यम से यात्रियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त स्टेशन परिसर, कार्यालयों, प्रतीक्षालय एवं प्रसाधनों की सफाई की गयी। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्टेशनों पर रेलवे ट्रैक के दोनो किनारों की सफाई की गई। इस सफाई अभियान में लगभग 150 रेलवे तथा अनुबन्ध कर्मचरियों ने सामुहिक श्रमदान किया तथा स्वच्छता से सम्बन्धित विभिन्न संदेशात्मक पोस्टरों के माध्यम से यात्रियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया।

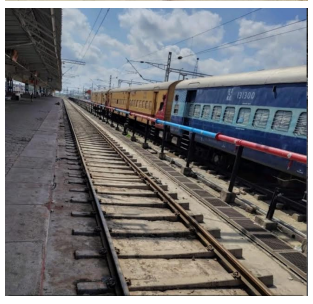

कार्यक्रमों का आयोजन कर यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया

गोरखपुर,: सम्पूर्ण भारतीय रेल पर ह्यस्वच्छोत्सवह्य मनाया जा रहा है। इसके अन्तर्गत रेल परिसरों एवं टेज्नों में स्वच्छ एवं साफ सुथरा वातावरण उपलब्ध कराने हेतु 17 सितंबर,2025 से 01 अक्टूबर,2025 तक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये जैसे कि सफाई हेतु स्थानों को चिन्हित कर सफाई करना, स्वच्छता की शपथ, पी.पी.ई.किट का वितरण, मैराथन/साइक्लॉथन/वाकॉथन, स्वच्छता जागरूकता हेतु लीग मैच का आयोजन, पौधारोपण, वेस्ट टू आर्ट बनाना, पर्यावरण अनुकूल अपशिष्ट पदार्थो को हटाना, डोर टू डोर जाकर जागरूकता फैलाया गया एवं श्रमदान किया गया, स्टेशनों पर खाद्य सामग्री एवं पानी की शुद्धता का निरीक्षण करना, कपड़े के थैलों का वितरण करना आदि सम्मिलित है। इस तरह विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। पूर्वोत्तर रेलवे पर स्वच्छता ही सेवा-2025 अभियान की शुभारम्भ 17 सितम्बर, 2025 को मुख्यालय, में महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने गोरखपुर जं. स्टेशन पर रेल कर्मियों एवं यात्रियों को स्वच्छता शपथ दिलाकर एवं श्रमदान कर किया गया। इस अभियान के अन्तर्गत 3400 स्थानों पर सफाई किया गया, जिसमें लखनऊ मंडल में 1637, वाराणसी मंडल में 768, इज्जतनगर मंडल में 995 स्थान सम्मिलित है। इसी तरह 8135 केन्द्रों पर यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ/प्रतिज्ञा दिलाई गई। स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने हेतु इस रेलवे पर 152 स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाये गये, जिसमें लखनऊ मंडल में 17, वाराणसी मंडल में 120 तथा इज्जतनगर मंडल में 15 शामिल है। सफाई मित्र के स्वास्थ्य जाँच हेतु तीनों मंडलों मे 61 स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर 2297 कर्मचारियों की जाँच की गई एवं उन्हें 2687 पी.पी.ई किट का वितरण किया गया। स्वच्छता के प्रति जागरूकता को लाने हेतु 33 मैराथन/साइक्लॉथन/वाकॉथन आयोजित किये गये तथा 26 स्पोर्टस लीग मैच का आयोजन कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण हेतु इस अभियान के अन्तर्गत लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडलों में विभिन्न स्थानों पर 2037 पौधे लगाये गये। इस रेलवे पर निराकृत सामग्रियों का उपयोग कर विभिन्न प्रकार के 47 कलाकृतियाँ बनाई गई।

स्वच्छता अभियान 5 .0 के अन्तर्गत अमृत संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर मनाये जा रहे विशेष स्वच्छता अभियान 5.0 के अन्तर्गत पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर जं0 स्टेशन पर 07 अक्टूबर,2025 को महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर के मुख्य आतिथ्य में अमृत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्टेशन परिसर में उपस्थित यात्रियों से संवाद कर गोरखपुर जं0 सहित अन्य स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान पर फीड बैक प्राप्त किया गया। इसके उपरान्त महाप्रबन्धक श्री बोरवणकर ने गोरखपुर जं0 स्टेशन का निरीक्षण किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दिशा-निर्देश एवं माननीय रेल मंत्री श्री अश्वनी वैष्णव के मार्गदर्शन में अगस्त,2025 से पूरे भारतीय रेल को स्वच्छ बनाये रखने के लिये ह्यस्वच्छोत्सवह्य अभियान चलाया गया, जो पूरी तरह सफल रहा। स्वच्छता अभियान के द्वितीय चरण में सभी सम्बन्धित विभाग समन्वय बनाकर एवं कर्मचारी कन्धे से कन्धा मिलाकर कार्य कर रहे हैं। महाप्रबन्धक ने कहा कि अमृत संवाद कार्यक्रम के तहत रेल प्रशासन यात्री बन्धुओं एवं रेल उपयोगकत्ताओं से संवाद कर रेल परिसर, गाड़ियों में स्वच्छता एवं रेल सेवाओं में सुधार हेतु सुझाव आमंत्रित करना है। इस कार्यक्रम में यात्रियों ने गोरखपुर जं0 स्टेशन पर साफ-सफाई को सराहना की। उन्होंने कहा कि यात्रीगण गोरखपुर जं0 स्टेशन पर प्रदत्त सुविधाओं का उपयोग करें तथा चल रहे पुनर्विकास कार्य को अवलोकित कर अपने बहुमूल्य सुझाव दे सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के ह्यपंच प्रणह्य की चर्चा करते हुये कहा कि पंच प्रण का प्रथम प्रण- विकसित भारत के लिये कार्य करना है। हमें विकसित भारत हेतु उठाये गये कदमों के तहत भारतीय रेल को साफ-सुथरा बनाये रखना है। दूसरा प्रण- गुलामी की मानसिकता से निजात पाना, तीसरा प्रण- अपनी विरासत पर गर्व करना, चौथा प्रण-एकता की शक्ति को पहचानना तथा पांचवां प्रण-नागरिकों के कर्तव्यों को समझना। महाप्रबन्धक श्री बोरवणकर ने रेल उपयोगकत्ताओं से अपील की कि रेलवे सबकी सम्पत्ति है और इसे अपना समझकर उपयोग करें। टेज्न को साफ रखने में हम सभी मिल कर कार्य करें। कूड़ा-कचरा डस्टबिन में ही डालें। स्वच्छता कर्मियों को सहयोग करें। रेल प्रशासन द्वारा स्वच्छता कर्मियों का मेडिकल चेकअप कराया जा रहा है तथा इस क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता मुहिम से सभी लोग जुड़े और विकसित भारत हेतु किये जा रहे प्रयासों में अपना सहयोग दें। अपने घर, गांव, कार्यस्थल को स्वच्छ रखने के लिये श्रमदान करें। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों द्वारा उपयोग किये जा रहे प्लास्टिक बैग को लेकर कपड़े का थैला दिया जा रहा है। आप सभी इस योजना का लाभ उठावें। महाप्रबन्धक श्री बोरवणकर ने यात्रियों से कहा कि आगामी दीपावली एवं छठ पर्व पर विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। आप सभी अनुशंसित होकर अपनी यात्रा करें। प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री नरेश कुमार ने कहा कि अमृत संवाद एक प्रेरणादायी पहल है।

बदहाली के कैंसर से जूझ रहा जेके संस्थान

कानपुर। निदेशक डॉ. प्रसाद का कहना है कि एमसीएच और डीएम डिग्री वाले चिकित्सा शिक्षकों की जरूरत है। इनके साथ ही पीजी को भी मांगा गया है। डीजीएमई कार्यालय पीजी एलॉट करता है। इस संबंध में बराबर रिमाइंडर भेजा जा रहा है। कानपुर में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में 20 नवंबर 2023 को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने याचिका समिति की बैठक के बाद जेके कैंसर इंस्टीट्यूट को सेंटर आफ एक्सीलेंस बनाने का वादा किया था। वहां मौजूद तत्कालीन प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा को निर्देश भी दिए, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ। 22 अप्रैल 2025 को तीन नए विभाग शुरू करने के आदेश हुए, लेकिन चिकित्सा शिक्षक ही पूरे नहीं मिल पाए। सीटें सृजित होने के बावजूद रेजीडेंट डॉक्टर एलॉट नहीं हुए। बदहाली के कैंसर से इंस्टीट्यूट जूझ रहा है। जेके कैंसर इंस्टीट्यूट में तीन नए विभागों के लिए फैकल्टी, रेजीडेंट डॉक्टर और स्टाफ के पद सृजित हैं लेकिन सभी पद भर नहीं पाए हैं। फैकल्टी पूरी न होने के कारण पीजी छात्र यानी रेजीडेंट भी नहीं मिले। इससे इंस्टीट्यूट का पीजी फंड भी अटका है। रोगियों को सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। उपकरण खराब होने से बायोप्सी जांच शुरू नहीं हो पाई। कैंसर रोगियों की सेंकाई के लिए लीनियर एक्सीलेरेटर मशीन भी नहीं मिल पाई। नए उपकरणों की खरीदारी में आएगी बाधा इंस्टीट्यूट में सर्जिकल आंकोलॉजी, पैथोलॉजी और अनेस्थेसिया विभाग खुले हैं। इस संबंध में शासनादेश 22 अप्रैल को जारी हो गया था लेकिन महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा कार्यालय ने रेजीडेंट डॉक्टरों को आवंटित नहीं किया है। बिना रेजीडेंट के पीजी फंड नहीं मिलेगा। इससे नए उपकरणों की खरीदारी में बाधा आएगी। इसके साथ ही रोगियों की सुविधा भी बाधित रहेगी। अनेस्थेसिया का ढंग से नहीं हो पा रहा उपयोग सर्जिकल आंकोलॉजी विभाग में अभी सिर्फ एक संविदा डॉक्टर हैं। विभाग में एक प्रोफेसर, एक एसोसिएट और एक असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति होनी है। निदेशक एवं प्रोफेसर डॉ. एसएन प्रसाद ने बताया कि चिकित्सा शिक्षकों के लिए शासन को पत्र भेजा गया है। अनेस्थेसिया विभाग में दो नियमित एसोसिएट प्रोफेसर और एक संविदा वाले प्रोफेसर हैं लेकिन अनेस्थेसिया सर्जरी विभाग से जुड़ा होता है। सर्जरी विभाग खाली होने से अनेस्थेसिया का ढंग से उपयोग नहीं हो पा रहा। एमसीएच और डीएम डिग्री वाले चिकित्सा शिक्षकों की जरूरत पैथोलॉजी में एक नियमित एसोसिएट प्रोफेसर और एक संविदा वाले असिस्टेंट प्रोफेसर हैं, लेकिन प्रोफेसर कोई नहीं है। पीजी के लिए प्रोफेसर होना जरूरी है। निदेशक डॉ. प्रसाद का कहना है कि एमसीएच और डीएम डिग्री वाले चिकित्सा शिक्षकों की जरूरत है। इनके साथ ही पीजी को भी मांगा गया है। डीजीएमई कार्यालय पीजी एलॉट करता है। इस संबंध में बराबर रिमाइंडर भेजा जा रहा है।

ऑल वेदर स्टेडियम के रूप में विकसित होगा ग्रीनपार्क, 50 हजार होगी दर्शक क्षमता

कानपुर। मंडलायुक्त ने कहा कि यूपीसीए अपने आर्किटेक्ट के साथ समन्वय स्थापित कर स्टेडियम की डिजाइन को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करें, ताकि ग्रीनपार्क को फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया जा सके। कानपुर में ग्रीनपार्क के जीर्णोद्धार और आधुनिकीकरण के लिए सोमवार को स्टेडियम में बैठक हुई। सांसद रमेश अवस्थी की अध्यक्षता में जिला प्रशासन व यूपीसीए के अधिकारियों ने ग्रीनपार्क की दर्शक क्षमता को 50 हजार तक करने, ड्रेनेज सिस्टम और मीडिया सेंटर का नवीनीकरण कराने, मल्टीलेवल पार्किंग विकसित करने पर चर्चा की। सांसद ने कहा कि ग्रीनपार्क सीएम की प्राथमिकताओं में शामिल है। यह कानपुर की पहचान और गौरव का प्रतीक है, जिसे विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित ऑल वेदर स्टेडियम के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यहां क्लब हाउस और गेस्ट हाउस जैसी सुविधाएं भी जोड़ी जाएंगी। इसके अलावा बी ग्राउंड पर एक क्रिकेट प्रैक्टिस एरिना विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा गया। उन्होंने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) को निर्देश दिए कि 15 अक्तूबर तक डीपीआर तैयार कर प्रस्तुत की जाए। खेल विभाग, यूपीसीए और प्रशासन के बीच समन्वय के लिए एक नोडल अधिकारी नामित किया जाए, ताकि परियोजना में तेजी लाई जा सके।

संक्षिप्त खबरें

मनरेगा में महिला मेटों व दिव्यांग जॉब कार्ड धारकों की सहभागिता बढ़ायी जाय

लखनऊः उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व मार्गदर्शन में ग्राम्य विकास विभाग निरंतर ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। विकासपरक व ग्रामोन्मुखी योजनाओं को अमलीजामा पहनाने के लिए ग्राम्य विकास विभाग सतत प्रयत्नशील है, और इस दिशा में बहुत ही उल्लेखनीय व उत्कृष्ट कार्य किये गये हैं। कई योजनाओ के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश , देश में अगले पायदान पर है ।योजनाओं के अंतर्गत कराये जा रहे कार्यों में किसी भी प्रकार की और किसी भी स्तर से कोई कोताही न बरती जाये ,इसके दृष्टिगत उप मुख्यमंत्री के निदेर्शों के क्रम में ग्राम्य विकास विभाग मुख्यालय द्वारा नियमित समीक्षा की जाती है, जिसमें प्रदेश भर के संबंधित अधिकारी वर्चुअली जुड़ते हैं। यह बैठक आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग की अध्यक्षता में आयोजित की जाती है और ज्वाइंट कमिश्नर, मनरेगा एवं उपायुक्त मनरेगा इसका मुख्यालय से संचालन करते हैं। उप मुख्यमंत्री के निदेर्शों के क्रम में मनरेगा में महिला मेटो की सहभागिता पर विशेष जोर दिया जा रहा है, यही नहीं अन्य मनरेगा श्रमिकों की भांति दिव्यांग जाब कार्ड धारकों को उनकी सुविधा के दृष्टिगत मनरेगा गाइडलाइंस के अनुसार अधिक से अधिक काम दिये जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया है ।यही नहीं यह भी निर्देश दिए गए हैं कि मनरेगा में व्यक्तिगत लाभार्थीपरक कार्यों को मनरेगा गाइडलाइंस के मुताबिक विभिन्न गतिविधियों में कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग श्री जी एस प्रियदर्शी द्वारा कई बिंदुओं पर तेजी से कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं ।उन्होंने मानव दिवस सृजन, अमृत सरोवरों की देखभाल , देयों का ससमय भुगतान, एरिया इंस्पेक्शन, सोशल ऑडिट, प्रतिभा पोर्टल,कृषि संबंधित कार्य, महिला सहभागिता, 100 दिवस रोजगार समेत योजनांतर्गत समस्त बिंदुओं पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश ग्राम्य विकास विभाग के मनरेगा से जुड़े जिला स्तरीय अधिकारियों को दिए हैं। जनपदों को निर्देशित किया गया है किसी भी दशा में वन वर्क वन एफ0टी0ओ0 का विचलन नहीं होना चाहिए। जिन श्रमिकों द्वारा भी जॉब कार्ड की मांग की जा रही है। उन्हें जॉब कार्ड उपलब्ध कराये जांय। मांग के सापेक्ष उपलब्धता का अन्तर शून्य करने एवं प्रत्येक जॉब कार्ड में पूरे परिवार के सदस्यों का अंकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान में सफलता

लखनऊ,: सभी के लिए न्याय को त्वरित और सुलभ बनाना किसी भी न्याय वितरण प्रणाली का प्राथमिक लक्ष्य है। देश की विशाल जनसंख्या और लगातार बढ़ते विवादों के कारण न्यायपालिका पर बोझ बढ़ता जा रहा है। इसी दिशा में, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के सहयोग से 'राष्ट्र के लिए मध्यस्थता' नामक विशेष मध्यस्थता अभियान चलाया गया। यह अभियान 01 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक भारत के सभी तालुका न्यायालयों, जिला न्यायालयों और उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों के मध्यस्थता के माध्यम से निपटारे हेतु 90 दिन का गहन अभियान था। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव संजय सिंह प्रथम ने बताया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस अभियान के उद्देश्यों को साकार करने के लिए अनेक कदम उठाए। उच्च न्यायालय में वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावा, घरेलू हिंसा, चेक अनादर, वाणिज्यिक विवाद, सेवा संबंधी मामले, समझौता योग्य आपराधिक मामले, ऋण वसूली, विभाजन, बेदखली, भूमि अधिग्रहण और अन्य उपयुक्त मामलों की पहचान कर उन्हें मध्यस्थता हेतु भेजा गया। उच्च न्यायालय मध्यस्थता एवं सुलह केंद्र, इलाहाबाद और इसकी लखनऊ पीठ में 01 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक 1,978 मामले भेजे गए, जिनमें से 100 मामलों का मध्यस्थता के माध्यम से समाधान हुआ।

काशी में 51 लीटर दूध से मां गंगा का हुआ दुग्धाभिषेक

वाराणसी। वाराणसी में मंगलवार को मां गंगा का विधि- विधान से पूजन किया गया। विधिवत पूजन करने के साथ ही 51 लीटर दूध से मां गंगा का दुग्धाभिषेक किया गया। जोशी ब्राह्मण संघ के तत्वावधान में हर साल की तरह इस वर्ष भी अश्विन मास शुक्ल पक्ष की शरद पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार की सुबह ललिता घाट पर गंगा माता का विधिवत पूजन किया गया। संघ के अध्यक्ष पं. जगदीश पांडेय और पं. संदीप त्रिपाठी ने वेद मंत्रोच्चार के बीच मां गंगा का पंचामृत से पूजन कर चुनरी अर्पित की। इसके बाद 51 लीटर दूध से मां गंगा का दुग्धाभिषेक कर आरती संपन्न की कराई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से दीपक पांडेय, धर्मराज पांडेय, पार्षद संजय केशरी, गोपाल जी गुप्ता, सोनू पांडेय सहित जोशी ब्राह्मण संघ के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

हाईवे पर बेकाबू कार पलटी, तीन घायल

बस्ती। हरैया थाना क्षेत्र के हाईवे पर महराजगंज कस्बे के हनुमान मंदिर के सामने लखनऊ से गोरखपुर जा रही तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। कार में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, कानपुर निवासी प्रदीप यादव (35), चित्तौड़ निवासी भावना (32) पत्नी समिद और समिद (36) कार से गोरखपुर जा रहे थे। महराजगंज के पास हादसा हो गया। चौकी पुलिस और एनएचएआई पेट्रोलिंग टीम पहुंची। घायलों को सीएचसी कप्तानगंज पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के समय कार का एयरबैग खुल जाने के कारण बड़ा हादसा टल गया।

पासबुक प्रिंटर खराब, ग्राहकों को हो रही परेशानी

बस्ती। पंजाब नेशनल बैंक सल्टौआ शाखा में लगा पासबुक प्रिंटर पिछले एक माह से खराब है। ग्राहकों को खाते में जमा-निकासी के बाद बचे बैलेंस की जानकारी नहीं मिल पा रही है। खाता धारक सूर्य वंश, केवल पति, राम फेर आदि ने बताया कि वे कई दिनों से बैंक का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन पासबुक प्रिंट नहीं हो पा रहा है। जब बैलेंस की जानकारी के लिए काउंटर पर पहुंचते हैं, तो उन्हें लाइन में लगने के लिए कहा जाता है। ग्राहकों ने बैंक प्रशासन से पासबुक प्रिंटर की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है। शाखा प्रबंधक आशीष ने बताया कि प्रिंटर की मरम्मत शीघ्र करा दी जाएगी।

आईजीआरएस शिकायतों के समयबद्ध समाधान के निर्देश

बस्ती। कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने आईजीआरएस शिकायतों के समयबद्ध समाधान निर्देश दिए। कहा कि मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी और अन्य ऑनलाइन/पीजी पोर्टल से प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण जरूरी है। कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि जनता की शिकायतों का समाधान पूर्ण पारदर्शिता और तत्परता के साथ किया जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी शिकायत लंबित न रहे। प्रत्येक विभाग अपने अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर ध्यान रखे।

एक्सेंचर ने 11000 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी की, एक अरब डॉलर बचाने की कवायद

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक्सेंचर ने पिछले तीन महीनों में 11,000 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी की है। यह कदम लागत घटाने और परिचालन दक्षता बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा बताया जा रहा है। कंपनी का अनुमान है कि इस पुनर्गठन प्रक्रिया से कुल मिलाकर एक अरब डॉलर से अधिक की बचत होगी। टेक दिग्गज एक्सेंचर ने निवेश का रुख भविष्य की परियोजनाओं या इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार की बजाय कर्मचारी संख्या घटाने पर केंद्रित किया है। कंपनी ने पिछले तीन वर्षों में बिजनेस ऑप्टिमाइजेशन पर 2 अरब डॉलर (करीब 16,700 करोड़) से अधिक खर्च किया है। इसमें एक बड़ा हिस्सा सेवरेंस कॉस्ट (सेवा समाप्ति भुगतान) के लिए आवंटित किया गया। कंपनी ने हाल के तीन महीनों में ही 11,000 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी की है। यह कदम लागत घटाने और परिचालन दक्षता बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा बताया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. अग्रवाल ने इंदौर में दिया व्याख्यान

ग्वालियर। इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित मध्यप्रदेश नाक, कान, गले (एमपी एओआई) कॉन्फ्रेंस में ग्वालियर के वरिष्ठ नाक, कान, गले विशेषज्ञ डॉ. राहुल अग्रवाल ने कान के आधुनिक ऑपरेशन पर दो व्याख्यान प्रस्तुत किए। डॉ. अग्रवाल ने विशेष रूप से कान के बहने और मुंह की नस (फेसियल नर्व) के फालिज पर अपने अनुभव साझा किए। इसके अलावा, कोक्लीयर इम्प्लांट ऑपरेशन की आधुनिक पद्धतियों पर भी उन्होंने फाइनल डिस्कशन किया, जिसमें अन्य विशेषज्ञों के साथ ज्ञान और तकनीकी अनुभव का आदान-प्रदान हुआ। इस कॉन्फ्रेंस में मध्यप्रदेश और देशभर के 300 से अधिक नाक कान गले विशेषज्ञ शामिल हुए।

श्री गहोई वैश्य समाज की नई टीम ने ली शपथ

ग्वालियर। श्री गहोई वैश्य समाज ग्वालियर प्रकोष्ठ का शपथ ग्रहण समारोह गत दिवस संपन्न हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि महापौर डॉ. शोभा सिकरवार रहीं। अध्यक्षता दिलीप तपा ने की। इस मौके पर नवनियुक्त पदाधिकारी अध्यक्ष संगीता बेडर, उपाध्यक्ष रश्मि गेड़ा, मंत्री अलका पहाड़िया, कोषाध्यक्ष कविता गेड़ा, उपमंत्री रश्मि डेंगरे और प्रचार मंत्री नमिता पिपरसेनियां को शपथ दिलाई। कार्यकारिणी सदस्यों में उर्वशी रेजा, शालिनी बिलैया, रचना पहारिया, सोनिया बिलैया आदि रहे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी गीता खरया, डॉ. वीरा लोहिया रहीं। संचालन कंचन गुप्ता ने किया।

दशहरा मिलन में सुनीता, ऊषा और अर्चना बनीं विजेता

ग्वालियर। श्री दुर्गेश्वरी क्षत्रिय राजपूत महिला समिति द्वारा सिटी सेंटर में दशहरा मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाएं राजपूतानी पोशाक में नजर आईं। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें जिसमें पंचुअलटी में सुनीता भदौरिया, कलर गेम में ऊष चौहान, दशहरा थीम में अर्चना भदौरिया आदि विजयी रहे। संचालन मोनिका भदौरिया ने किया। कार्यक्रम आयोजन गीता माधुरी चौहान, सुजाता संग्राम सिंह, शकुन्तला सिंह परिहार और गीता कुलदीप सिंह गौर रहीं।

राजस्थान फोग और कबील नृत्य प्रस्तुत किया

ग्वालियर। जेंटलमेंस क्लब द्वारा विगत दिवस दशहरा मिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें राजस्थान से फोग गीत एवं कबील नृत्य प्रस्तुत किया गया। यू-ट्यूब सिंगर आशुतोष ऋषि द्वारा शानदार गीतों की प्रस्तुति दी गई। क्लब संयोजक राघवेंद्र सिंह जादौन ने दशहरा का महत्व बताया। इस मौके पर डॉ. प्रताप सिंह चौहान, डॉ. सपन पटेल, नरेन्द्र सेठ, डॉ. प्रशांत दुबे आदि शामिल रहे।

सौभाग्य के लिए 'करवाचौथ' का सेट 250 रुपए में

महाराज बाड़ा पर खरीदारों की भीड़

■ ग्वालियर

'करवा चौथ' का त्योहार 10 अक्टूबर को मनाया जाएगा और रात में चांद की पूजा कर जल ग्रहण किया जाएगा। इसके लिए बाजारों में जबरदस्त खरीदारी हो रही है। 'करवा चौथ' पर सौभाग्य के लिए पूजा की थाली सेट 250 रुपए में मिल रहा है जिसे महिलाओं द्वारा अधिक पसंद किया जा रहा है क्योंकि इस सेट में पूजा की थाली, चलनी और स्टील का लोटा भी है।

करवा चौथ के लिए महिलाएं सौभाग्य की वस्तुओं के साथ वस्त्र व आभूषण की खरीद कर रही हैं। जिससे बाजारों में रात तक अच्छी चहल-पहल हो रही है। करवा चौथ के लिए महाराज बाड़ा और उसके आसपास के क्षेत्र में कई अस्थाई दुकानें सजकर तैयार हो गई हैं। इन दुकानों पर करवा चौथ का पूरा सामान है। वहीं सोना-चांदी और वस्त्र आदि की दुकान पर भी लोगों की अच्छी भीड़ हो रही है।

मिलने वाले सामान के दाम

सामान	दाम
चलनी	50
पूजा की थाली	150
सींक	10
कलेंडर	10
मिट्टी का करवा	30
शकर का करवा	50

लाल साड़ी की मांग बढ़ी

करवा चौथ के लिए लाल साड़ी की मांग अधिक बढ़ गई है। इसके लिए महिलाएं डिजाइनदार साड़ी पसंद कर रही हैं। साथ ही लहंगे भी खरीदे जा रहे हैं। सिल्क की लाल साड़ी 1500 से लेकर 10 हजार रुपए तक है। जबकि लहंगा 3 से 25 हजार रुपए तक है।

वाल्मीकि जयंती पर भी नहीं रुकेगी सफाई

निगम उपायुक्त ने अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

■ ग्वालियर

महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर सफाई कर्मियों के अवकाश पर रहने के बावजूद शहर की स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए नगर निगम ने पहले से ही रणनीति बना ली है।

उपायुक्त अमर सत्य गुप्ता ने सोमवार को स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों और सभी डिपो प्रभारियों की बैठक लेकर साफ निर्देश दिए कि च्छशहर की सफाई किसी भी स्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए।बैठक के दौरान श्री गुप्ता ने बताया कि वाल्मीकि जयंती के दिन सभी सफाई कर्मचारी अवकाश पर रहेंगे। इसलिए डिपो प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था के वैकल्पिक इंतजाम सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि डंपर, जेसीबी, और डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहनों के माध्यम से सफाई कार्य सतत जारी रहना चाहिए, ताकि शहर की स्वच्छ छवि बनी रहे।

उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय समन्वय बनाए रखें। किसी भी क्षेत्र में कचरा जमाव या सड़क पर गंदगी की शिकायत नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि जयंती के दिन सफाई कर्मियों के सम्मान को ध्यान में रखते हुए उनकी छुट्टी बनी रहेगी, लेकिन प्रशासनिक जिम्मेदारी अधिकारियों की होगी कि सफाई व्यवस्था अखंड रूप से संचालित रहे।

डिपो प्रभारियों को दी जिम्मेदारी

बैठक में प्रत्येक डिपो प्रभारी को अपने क्षेत्र की पूरी मॉनिटरिंग करने, डंपिंग वाहनों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त संसाधन जुटाने के निर्देश दिए गए।

महर्षि वाल्मीकि मंदिर को दीपों से सजाया

भाजपा के स्वामी विवेकानंद मंडल द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयंती की पूर्व संध्या पर सोमवार को मैस्कॉट हॉस्पिटल के सामने रामायण के रचयिता भगवान महर्षि वाल्मीकि मंदिर में 501 दीप जलाए एवं भगवान वाल्मीकि को माला पहनाकर उनकी आरती करके प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अमर कुटे, वरिष्ठ नेता राकेश कटारे, भोला बांगडे, सोनू वर्मा, रामसेवक चंदेल आदि उपस्थित थे।

समाजसेवियों का सम्मान आज

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा ग्वालियर महानगर द्वारा महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव के अवसर 7 अक्टूबर मंगलवार को सुबह 11 बजे कंपू महावीर भवन के पास स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर पर महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य कर रहे समाजसेवियों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया सहित भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष संतोष गोडयाले ने दी।

राम के आदर्शों को जीवन में अपना कर सभ्य और स्वस्थ समाज का निर्माण करें

आदि कवि महर्षि वाल्मीकि ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के चरित्र को लिपिबद्ध करते हुए समाज के सामने उनके आदर्शों को प्रस्तुत किया है। भगवान राम को आदर्श संपूर्ण मानव जाति के लिए प्रेरणापुंज है। हमें अभी को संकल्प लेना चाहिए कि हम अभी भगवान राम के आदर्शों को जीवन चरित्र में अपनाएं। एक सभ्य और स्वस्थ समाज का निर्माण करें।

यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समरसता विभाग प्रमुख सुधीर शर्मा ने कही। वह सोमवार को जीवाजी विश्वविद्यालय के भाषा अध्ययनशाला केंद्र में महर्षि वाल्मीकि जयंती की पूर्व संध्या पर संगोष्ठी एवं समरसता सम्मान समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। मुख्य अतिथि कुलसचिव प्रो. राकेश कुशवाह थे। अध्यक्षता आरजीपीवी की कार्यपरिषद सदस्य डॉ. संगीता कटारे ने की। विशिष्ट अतिथि जीवाजी विवि के कार्यपरिषद सदस्य डॉ. रवि अम्बे, डीसीसीसी प्रो. शांतिदेव सिसोदिया, अध्यक्ष स्थायी कर्मी संघ यतेंद्र शर्मा, प्रांत सचिव संस्कार भारती दिनेश चंद्र दुबे, जिला सचिव डॉ. चंद्रप्रताप सिंह सिकरवार एवं भाषा अध्ययनशाला केंद्र समन्वयक डॉ. नवनीत गरुड़ थे। अध्यक्षता कर रहीं डॉ. संगीता कटारे ने कहा कि जिस तरह हम भगवान श्रीराम के जीवन से प्रेरित होते हैं, उसी तरह संघ के स्वयंसेवक समाज में सामाजिक समरसता व परिवर्तन का काम कर रहे हैं। समरसता से ही समाज में दूरियां मिट जायेंगी। मुख्य अतिथि प्रो. राकेश कुशवाह ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने प्रभु श्रीराम के जन्म से पहले ही रामायण की रचना कर दी थी। हमें महर्षि वाल्मीकि से प्रेरणा लेना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. रवि अम्बे ने कहा कि हमारे समाज में राम राज्य की संपूर्ण भावना महर्षि वाल्मीकि ने प्रस्तुत की है।

आईटीएम की पूर्व छात्रा खुशबू बनीं मिस्टर इंडिया हेरिटेज की मुख्य जज

■ ग्वालियर

आईटीएम विश्वविद्यालय की वर्ष-2017 बैच की पूर्व छात्रा और चर्चित युवा मॉडल खुशबू सिंह ने गोवा में आयोजित मिस्टर इंडिया हेरिटेज-2025 में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए मुख्य जजेज की भूमिका निभाई। यह गौरवशाली अवसर उन्हें देशभर के प्रतिभागियों का मूल्यांकन करने का मिला, जिसमें प्रतिभा, फिटनेस, बुद्धिमत्ता और सामाजिक योगदान के आधार पर चयन किया गया।

खुशबू सिंह ने बताया कि उनका मॉडलिंग का सफर आईटीएम से शुरू हुआ। यहां आयोजित फेशन शो और अन्य कार्यक्रमों में भाग लेकर उन्हें मंच और पेशेवर मार्गदर्शन मिला। उन्होंने युवा लड़कियों को प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें अपने सपनों को पहचानकर परिवार की सहमति और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

गोवा में आयोजित दस दिवसीय कार्यक्रम के छह एपिसोड जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होंगे। खुशबू सिंह ने पहले मिस इंडिया ग्लोबल (2019) का खिताब जीतने के साथ-साथ मिस ग्वालियर, मिस एमपी और मिस वर्ल्ड टूरिज्म में प्रथम रनरअप का खिताब भी हासिल किया है।

आईटीएम के चांसलर रुचि सिंह, प्रो-चांसलर दौलत सिंह चौहान और वाइस चांसलर प्रो. योगेश उपाध्याय ने खुशबू सिंह को मुख्य जजेज की भूमिका में शामिल होने पर शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शास्त्रीय संगीत हमारी आत्मा को आध्यात्मिकता से जोड़ता है

■ ग्वालियर

प्रेस्टीज प्रबंधन एवं शोध संस्थान में भारतीय शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम स्वरांजलि का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य कलाकार पद्मश्री विदुषी सुमित्रा गुहा रहीं, जिन्होंने अपनी मधुर स्वर लहरियों से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके साथ सुमन चटर्जी (तबला), विवेक जैन (हारमोनियम) और सुचिष्मिता चटर्जी (तानपुरा) ने शानदार संगति दी, जिससे प्रस्तुति और भी सुरीली बनी। संस्थान की निदेशक डॉ. निर्मल्या बंद्योपाध्याय ने अपने उद्बोधन में कहा कि शास्त्रीय संगीत हमारी आत्मा को आध्यात्मिकता से जोड़ता है और समाज को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाता है। कार्यक्रम में पद्मश्री सुमित्रा गुहा ने वीर मीरा सहित भजनों की प्रस्तुति दी, जिन्हें उन्होंने भगवान श्रीराम को समर्पित किया। उनकी प्रस्तुति ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया और दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे।

आपत्तिजनक बयान देने पर अधिवक्ता के खिलाफ प्राथमिकी

■ ग्वालियर

डॉ. भीमराव अम्बेडकर पर आपत्तिजनक बयान देने के मामले में अपराध शाखा ने अधिवक्ता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने अपने एक्स हैंडल पर लोगों से भड़काऊ बयानबाजी नहीं करने की चेतावनी दी है। पुलिस के अनुसार 5 अक्टूबर को सोशल मीडिया व्हाट्सअप पर एक वीडियो वायरल हो रहा था जिसमें अधिवक्ता अनिल मिश्रा डॉ.भीमराव अम्बेडकर को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहे थे। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के संज्ञान में जब उक्त वीडियो आया तो सोमवार को उन्होंने अपराध शाखा प्रभारी को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अपराध शाखा निरीक्षक अमित शर्मा की शिकायत पर अधिवक्ता अनिल मिश्रा के खिलाफ अपराध शाखा ने धारा 223, 353(2)196(1) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने एक्स हैंडल पर उक्त विषय को लेकर किसी को भी सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया नहीं देने की बात कही है। यदि कोई भी व्यक्ति इस विषय पर अमर्यादित टिप्पणी करता है तो उसके खिलाफ कानूनी नोटिस भेज वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

विद्यार्थियों ने निकाली रैली और ली शपथ

ग्वालियर। पार्वतीबाई गोखले विज्ञान महाविद्यालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्वदेशी जागरण सप्ताह के अंतर्गत विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने स्वदेशी उत्पादों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए रैली निकाली और लोगों से स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग की अपील की। सभी विद्यार्थियों ने स्वदेशी उत्पादों का प्रयोग करने और दूसरों को भी प्रोत्साहित करने की शपथ ली। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए प्रश्नमंच का आयोजन भी किया गया, जिसमें उन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

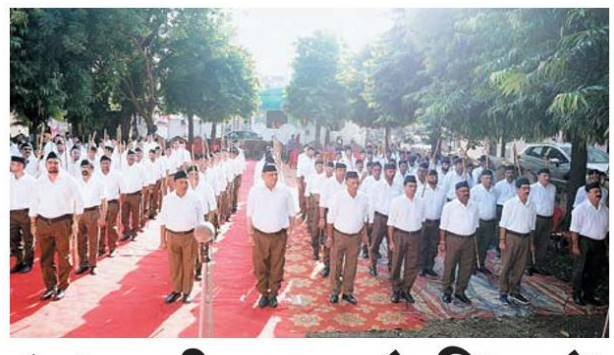

'संघ की वजह से हिंदुओं में जागा गौरव का भाव'

■ ग्वालियर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हरिशंकरपुरम बस्ती के पथ संचलन में करीब 200 स्वयंसेवकों ने उत्साह के साथ भाग लिया। पथ संचलन का लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

इस अवसर पर संघ के मध्य भारत प्रांत के प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता ने कहा कि भारत हिंदू राष्ट्र प्राचीन काल से है। पहले हिंदू कहने में लोगों को डर लगता था, लेकिन अब संघ की वजह से हिंदुओं में गौरव का भाव जाग्रत हुआ है। अब सभी गर्व के साथ कहते हैं कि हम हिंदू हैं।

चुनाव प्रक्रिया को असंवैधानिक बताया

दि ग्वालियर होलसेल क्लॉथ मर्केंटाइल एसोसिएशन के चुनाव निरस्त

■ ग्वालियर

नया बाजार की थोक कपड़ा एसोसिएशन का विवाद खुलकर सड़कों पर आ गया है। दि ग्वालियर होलसेल क्लॉथ मर्केंटाइल एसोसिएशन के चुनाव 15 सितंबर को हुए थे, लेकिन मौजूदा अध्यक्ष राजकुमार गर्ग ने विधान की धारा 22 (3) एवं 64 का हवाला देते हुए चुनाव अधिकारी नरेश सिंघल द्वारा कराए चुनाव निरस्त घोषित कर दिए हैं।

यह जानकारी श्री गर्ग ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में दी। जिसमें कहा गया है कि सोमवार को कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समस्त कार्यकारिणी एवं विशेष आमंत्रित सदस्यों ने चुनाव प्रक्रिया को असंवैधानिक बताते हुए उसे निरस्त कर दिया। साथ ही आगामी निर्वाचन तक वर्तमान कार्यकारिणी ही कार्य करती रहेगी। संस्था हित में साधारण सभा बुलाकर चुनाव अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी।

यह चुने गए थे पदाधिकारी

यहां बता दें कि 15 सितंबर 2025 को होटल कैलाश में नरेश सिंघल की देखरेख में चुनाव कराए गए थे। जिसमें कुल 73 मत डाले थे। जिसमें अध्यक्ष प्रीतम सिंह बघेल (37), उपाध्यक्ष कैलाश चंद मित्तल (निर्विरोध), सचिव विजय जाजू (निर्विरोध), सह सचिव वसंत अग्रवाल (44) और कोषाध्यक्ष सुनील सरावगी (51) चुने गए थे।

यह है विवाद

प्रीतम बघेल ने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों पर पर्चा भरने के बाद किसी भी पद से नामांकन वापस नहीं लिया था, तब चुनाव अधिकारी ने ऊपर की पोस्ट का फार्म सही मानते हुए उपाध्यक्ष का पर्चा निरस्त कर दिया था लेकिन संविधान में यह व्यवस्था नहीं होने से विवाद की स्थिति निर्मित हुई। इसके साथ ही संस्था के छह हजार वर्ग फीट के वस्त्रम पंचवटी नगर में दस भूखंड और नया बाजार की वेशकीमती संपत्ति भी विवाद का कारण बनी है। बताते हैं कि एक पदाधिकारी, जो कभी का कपड़े का व्यवसाय बंद कर चुके हैं, ने एक नए कपड़ा व्यवसाई से चेक लेकर संपत्ति का सौदा कर दिया। इतना ही नहीं सदस्यता सूची में कुछ फर्जी नाम जोड़े गए जो कपड़ा व्यवसाई नहीं है। इसकी शिकायत रजिस्ट्रार फर्मस एंड सोसायटी को की गई है।

लायंस क्लब ने पशु-पक्षियों की सेवा के लिए किया सेवा कार्य

■ ग्वालियर

लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट द्वारा सेवा सप्ताह सेवांकुर का आयोजन किया जा रहा है। सप्ताह का तीसरा पशु-पक्षियों की सेवा को समर्पित रहा। इसी क्रम में लायंस क्लब मैत्री द्वारा कैंसर पहाड़िया स्थित चित्रकूट धाम गौशाला में गौ सेवा एवं पक्षी सेवा का आयोजन हुआ जिसमें गायों के लिए चुनी, पीना और भूसे की व्यवस्था की गई। साथ ही पक्षियों के लिए दाना पानी उपलब्ध कराया गया। वहीं लायंस क्लब सेंट्रल ने दाना-पानी के लिए सकोरे रखे। इन कार्यक्रमों में अजय सप्रा, नरेन्द्र सिंघल, भूपेन्द्र सिंह, मोहित बंसल, अमित गुप्ता, दिनेश बंसल, संजय नीखरा, ज्योति अग्रवाल, मीनाक्षी गोयल आदि मुख्य रूप से शामिल रहे। वहीं लायंस क्लब आस्था, लायंस क्लब ओजस, लायंस क्लब सिटी स्टार, लायंस क्लब आरिश, लायंस क्लब आध्या के सदस्यों ने सेवा कार्य किया।

सम्पादकीय

एक्सपायरी डेट का पानी बेचना जीवन से खिलवाड़

बिना किसी ट्रेडमार्क, मैन्युफैक्चरिंग डिटेल्स और एक्सपायरी डेट का पानी बेचना लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ है। यह उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ताओं के प्रति घोर लापरवाही व सेवाओं में कमी है। इसके लिए विक्रेता जवाबदेह है। उपभोक्ता आयोग में शिकायत करने पर पीड़ित को राहत मिल सकती है। एक दुकानदार एक्सपायरी डेट की पानी की बोतल बेच रहा था। स्थानीय लोगों की शिकायत पर खाद सुरक्षा अधिकारी ने छापेमारी की,तो उसकी दुकान में 766 बोतलें एक्सपायर डेट की पाई गईं। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने उनमें से 16 बोतलें तो जांच के लिए सील कर दी जबकि 750 पानी की बोतलें मौके पर ही नष्ट करवा दी, ताकि भविष्य में उनका कोई उपयोग न कर सके। यह घटना जिला श्रावस्ती के हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र की है। एक उपभोक्ता ने जब दुकान से पानी की बोतल को खरीदा तो उसने देखा कि पानी की पैकिंग के समय जो एक्सपायरी डेट अंकित है वह बीत चुकी है। इस पर उसने इसकी सूचना एसडीएम को दी। एसडीएम ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए खाद सुरक्षा अधिकारी को मामले में कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। जिसके बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने पुलिस टीम के साथ संबंधित दुकान में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान उक्त एक्सपायरी डेट की पानी की बोतलें पकड़ी गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कहना है कि एक्सपायरी डेट के पानी के नमूने की रिपोर्ट आने के बाद दुकानदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसी प्रकार ग्वालियर में बिना किसी ट्रेडमार्क, मैन्युफैक्चरिंग डिटेल्स और एक्सपायरी डेट का पानी बाजार में बेचकर लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जिला मजिस्ट्रेट ने की है। उन्होंने तहसील दिवस पर जनसुनवाई के दौरान एक्सपायरी डेट का बोतल बंद पानी बेचने वालों के खिलाफ एडीएम को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान लोगों ने क्षेत्र की दुकानों पर बिना मैन्युफैक्चरिंग डिटेल्स व बिना एक्सपायरी डेट अंकित किए पानी के पाउच बिकने की शिकायत की थी। उपभोक्ता अपने साथ खाली पाउच लेकर आए थे। इन पाउच में ट्रेडमार्क, मैन्युफैक्चरिंग व एक्सपायरी डेट छपी हुई नहीं थी। जिसे जिला मजिस्ट्रेट ने गम्भीरता से लिया और दोषी दुकानदारों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। दरअसल पानी जिसे जल ही जीवन कहा गया है,हमारे स्वास्थ्य में एक अहम योगदान करता है। तभी तो चिकित्सक भी पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह देते हैं। पानी का सेवन न सिर्फ हमारे शरीर को अंदर से हाइड्रेट रखता है बल्कि इसका असर हमारी त्वचा और सम्पूर्ण स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। वहीं शरीर में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन से लेकर थकान, सिरदर्द, चक्कर आना और कब्ज जैसी समस्या हो सकती है। लेकिन शायद ही हम कभी यह सोचते हो कि बोतल बंद पानी की भी एक्सपायरी डेट होती है। वास्तव में हम कितने दिनों तक का रखा हुआ या फिर बोतल बंद पानी पी सकते हैं? कानून की दृष्टि से भी एक्सपायरी डेट का पानी बेचना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत उपभोक्ताओं के प्रति घोर लापरवाही व सेवाओं में कमी की परिधि में आता है। जिसके लिए विक्रेता को जवाबदेह ठहराया जा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप पीड़ित उपभोक्ता को मुआवजा या अन्य राहत उपभोक्ता आयोग में शिकायत करने पर मिल सकती है। राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान रुड़की के वरिष्ठ वैज्ञानिक रहे संजय जैन का कहना है कि अगर पानी पूरी तरह से शुद्ध है तो वह खराब नहीं होता है। क्योंकि शुद्ध पानी में किसी भी तरह के बैक्टीरिया, मिनरल्स और अशुद्धियां नहीं पाई जाती हैं। जब तक पानी में किसी तरह की अशुद्धि नहीं होती है तब तक वह खराब भी नहीं होता है। यदि पानी किसी गंदे कंटेनर या किसी खराब चीज के संपर्क में नहीं आता है वह तब तक खराब नहीं होता। लेकिन स्टोर किए गए पानी की क्वालिटी इस बात पर निर्भर करती है कि उसको कैसे और किस जगह पर स्टोर किया गया है। वहीं बोतल बंद पानी को ठंडी, सूखी और अंधेरी जगह पर रखा जाता है तो ऐसी बोतल में रखा पानी एक्सपायरी डेट के बाद भी काफी समय तक सेफ रख सकता हैं। लेकिन तब भी इसका टेस्ट बदल सकता है। इसलिए ऐसे पानी को पीना कतई सही नहीं है। वही अगर पानी की बोतल खुल गई है तो इस पानी को 2-3 दिन के अंदर तक ही पी सकते हैं। क्योंकि बोतल खुलने के बाद इसमें बैक्टीरिया और फंगस होने की संभावना बढ़ जाती है।

ताकि दवा जहर बन फिर से मासूमों की मौत न बने

दो राज्यों राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप से जुड़ी बच्चों की मौत की घटनाएं देश की दवा नियामक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। यह केवल एक चिकित्सा त्रुटि या आकस्मिक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस तंत्र की विफलता का प्रतीक है जिस पर जनता अपने जीवन की रक्षा के लिए भरोसा करती है। दवा जैसी जीवनदायी वस्तु में भी जब लालच, लापरवाही या भ्रष्टाचार घुसपैठ कर जाते हैं तो वह अमृत भी विष बन जाता है। बच्चों की मासूम जानें जब घटिया या मिलावटी दवा के कारण चली जाती हैं, तो यह केवल परिवारों की नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिकता एवं विश्वास की मृत्यु होती है। कफ सिरप में पाए गए विषैले तत्व-जैसे डाइएथिलीन ग्लाइकॉल या एथिलीन ग्लाइकॉल, पहले भी कई देशों में सैकड़ों बच्चों की जान ले चुके हैं। फिर भी बार-बार ऐसे हादसे होना इस बात का प्रमाण है कि भारत की दवा नियामक व्यवस्था में संरचनात्मक खामियां बनी हुई हैं। सवाल है कि पिछली गलतियों से क्या सीखा गया? भारत में बने कफ सिरप पहले भी सवालों में आ चुके हैं। 2022 में गाम्बिया में कई बच्चों की मौत के बाद डब्ल्यूएचओ ने एक भारतीय कंपनी के कफ सिरप को लेकर चेतावनी जारी की थी। इसके बाद भी कई और जगहों से इसी तरह की शिकायत आई। दवाओं के उत्पादन में भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर है। करीब 200 देशों में यहां से दवाएं निर्यात होती हैं और जेनेरिक दवाएं सबसे ज्यादा यहीं बनती हैं। इन उपलब्धियों के बीच इन दो प्रमुख राज्यों में कफ सिरप की वजह से बच्चों की मौत शर्मनाक एवं त्रासदीपूर्ण है। इससे स्पष्ट है कि दवा के क्षेत्र में जिस तरह की निगरानी, मानक और सुरक्षा उपायों की जरूरत है, उसमें कोताही बरती जा रही है। दवा के रूप में जहर घडल्ले से मासूमों की मौत का कारण बन रहा है। इस घटना सामने आने के बाद कार्रवाई का दौर भले ही जारी है। दवाएं वापस ली गई हैं, केस दर्ज हुआ है और नैशनल रेगुलेटर अथॉरिटी ने कई राज्यों में जांच की है। इन घटनाओं से साफ है कि दवा निर्माण की प्रक्रिया में कच्चे माल के स्रोत से लेकर तैयार उत्पाद की गुणवत्ता जांच तक हर स्तर पर लापरवाही व्याप्त है। कई कंपनियां लागत घटाने के लिए औद्योगिक ग्रेड के सॉल्वेंट या रसायनों का प्रयोग कर लेती हैं जो मानव उपभोग के लिए निषिद्ध होते हैं। वहीं निरीक्षण और परीक्षण की सरकारी व्यवस्था न केवल कमजोर है बल्कि अक्सर प्रभावशाली कंपनियों के दबाव में निष्क्रिय भी हो जाती है। राज्य और केंद्र स्तर के दवा-नियामक विभागों में पर्याप्त संसाधन और तकनीकी क्षमता का अभाव है, जिससे समय पर निगरानी और सैंपल परीक्षण संभव नहीं हो पाता। जब निरीक्षण औपचारिकता बन जाए और रिपोर्टें खरीद-फरोख्त की वस्तु बन जाएं, तब ऐसी त्रासदियां स्वाभाविक हैं। तमिलनाडु की दवा कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के कोल्ड्रिफ कफ सिरप के नमूने में 48.6 प्रतिशत डाई एथिलीन ग्लाइकॉल मिला है, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार इसकी मात्रा 0.10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह एक खतरनाक इंडस्ट्रियल केमिकल है, जिसका इस्तेमाल गाड़ियों और मशीनों में होता है। इसकी वजह से पीड़ित बच्चों की किडनी फेल हो गई। इन घटनाओं ने न केवल स्वास्थ्य प्रशासन की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाई है बल्कि भारत की वैश्विक छवि पर भी धब्बा लगाया है। पिछले वर्षों में अफ्रीकी देशों में भी भारतीय सिरप से हुई मौतों के बाद कई देशों ने हमारे फार्मा उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया था। अब घरेलू स्तर पर घटित ऐसी घटनाएं यह दशार्ती हैं कि हमने उन हादसों से कोई सबक नहीं लिया। दुनिया के सबसे बड़े जेनेरिक दवा उत्पादक देश के रूप में भारत को यह मानना होगा कि केवल उत्पादन की मात्रा नहीं, बल्कि गुणवत्ता ही हमारी असली ताकत होनी चाहिए। इस संकट का सबसे पीड़ादायक पहलू यह है कि इसका शिकार वे मासूम बच्चे बने जिनकी प्रतिरोधक क्षमता अभी विकसित नहीं हुई थी और जिनकी जीवन रक्षा का उत्तरदायित्व समाज और राज्य पर है। इन मौतों की नैतिक जिम्मेदारी केवल दोषी कंपनियों पर नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र पर है जिसने नियमन और नैतिकता की आंखें मूंद लीं। दवाओं में मिलावट या गलत प्रमाणपत्र देना कोई साधारण अपराध नहीं बल्कि मानवता के खिलाफ किया गया घोर अपराध है। इस पर कड़े से कड़ा दंड होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी निमार्ता या अधिकारी ऐसी हरकत करने से पहले सौ बार सोचे। भारत के फार्मास्युटिकल मार्केट का आकार लगभग 60 अरब डॉलर है। इसका बड़ा हिस्सा छोटी कंपनियों के पास है। सीडीएसीओ ने इस साल अप्रैल की अपनी रिपोर्ट में बताया था कि ज्यादातर छोटी और मझोली कंपनियों की दवाएं जांच में तयशुदा मानक से कमतर पाई गईं। इस जांच में 68 प्रतिशत एमएसएमई फेल हो गई थीं। इससे पहले, जब केंद्रीय एजेंसी ने 2023 में जांच की, तब भी 65 प्रतिशत कंपनियों की दवाएं सब-स्टैंडर्ड मिली थीं। प्रश्न है कि यह तथ्य सामने आने के बाद आखिर सरकार क्या सोच कर इन दवाओं को बाजार में विक्रय क्यों जारी रहने दिया? क्यों ऐसे हादसे होने दिये जाते रहे? यह आवश्यक है कि दवा उद्योग में कच्चे माल की ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित की जाए, हर बैच की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो और दवाओं के मानक अंतरराष्ट्रीय स्तर के हों। केंद्र और राज्य सरकारों को ड्रग इंस्पेक्टरों की संख्या और प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ानी चाहिए। हर कंपनी के लाइसेंस नवीनीकरण के समय उसकी पिछली गुणवत्ता रिपोर्ट और परीक्षण परिणामों की समीक्षा की जानी चाहिए। जिन कंपनियों ने सुरक्षा मानकों का उल्लंघन किया है, उनके लाइसेंस तत्काल रद्द कर दिए जाने चाहिए और शीर्ष प्रबंधन को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं, बल्कि इन मामलों में आपराधिक जिम्मेदारी तय करना भी जरूरी है। इसके साथ ही चिकित्सा जगत और समाज को भी आत्मचिंतन करना चाहिए। डॉक्टरों को यह समझना होगा कि शिशुओं को ओटीसी- ऑवर दी कॉउन्टर दवाएं देना कितना खतरनाक हो सकता है। सरकार द्वारा जारी परामर्श और चेतावनियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की जरूरत है। मीडिया को भी सनसनी से ऊपर उठकर जनता को जागरूक करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। इन त्रासदियों को केवल समाचार बनाकर भुला देना नहीं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य-सुधार के आंदोलन में बदलना समय की मांग है। क्योंकि सरकारी अनुमान से इस साल देश का दवा निर्यात 30 अरब डॉलर को पार कर जाएगा। वहीं, 2030 तक फार्मा मार्केट के 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। लेकिन, इसके साथ चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। दवाओं की जांच और निगरानी अभी तक की कमजोर कड़ी साबित हुई है। केंद्रीय और राज्य की नियामक एजेंसियों को ज्यादा बेहतर तालमेल के साथ, पारदर्शिता, ईमानदारी और ज्यादा तेजी से काम करने की जरूरत है, क्योंकि यह मामला केवल इकॉनमी या देश की छवि ही नहीं, अनमोल जिंदगियों से जुड़ा है। अंततः यह घटना हमें याद दिलाती है कि जीवन रक्षा के साधनों में जब नैतिकता का अभाव हो जाता है तो प्रगति की समूची इमारत ध्वस्त हो जाती है। दवा उद्योग में पारदर्शिता, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनशीलता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। सरकार और समाज दोनों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी बच्चे की जान किसी घटिया या मिलावटी दवा के कारण न जाए। जब तक दवा बनाने वाला और दवा बांटने वाला अपनी जिम्मेदारी को धर्म, करुणा, विश्वास और ईमानदारी की दृष्टि से नहीं देखेगा, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराई जाती रहेंगी। इसलिए अब वक्त आ गया है कि हम दवा नहीं, दायित्व बनाएं, नियमन नहीं, निष्ठा पैदा करें और इस मानवता विरोधी अपराध के लिए दोषियों को उदाहरण स्वरूप कठोरतम दंड दें ताकि भविष्य में जीवन रक्षक औषधि फिर से विश्वास की प्रतीक बन सके।

मुख्य न्यायाधीश पर हमला, संयोग या प्रयोग

सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय के भीतर एक ऐसी घटना हुई, जिसकी कल्पना भी कभी नहीं की गई होगी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर एक वकील ने जूता उछालने की कोशिश की। यह घटना उस वक्त हुई जब जस्टिस गवई की अध्यक्षता वाली बेंच वकीलों के मामलों की सुनवाई के लिए मेंशन सुन रही थी। बताया जा रहा है कि आरोपी वकील राकेश किशोर जज के डाइस के करीब पहुंचा और जूता उतारकर फेंकने की कोशिश की, हालांकि सुरक्षा कर्मियों ने समय रहते उसे रोक लिया। सुरक्षाकर्मी जब आरोपी वकील को पकड़कर बाहर ले जा रहे थे, तब वह सनातन का अपमान नहीं सहेंगे का नारा लगा रहा था। उसके नारे से सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि वह कट्टर दक्षिणपंथी मानसिकता का है, जिसके लिए संविधान मायने नहीं रखता, बल्कि धर्मांधता को वह तरजीह देता है। अब इस मामले की पूरी जांच होगी, तब पता चलेगा कि मुख्य न्यायाधीश गवई पर जूता उछालने का दुस्साहस आखिर उसने क्यों किया। हो सकता है 16 सितंबर को खजुराहो मामले में दिए फैसले से आरोपी नाराज हो, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने खजुराहो के जवारी मंदिर में भगवान विष्णु की सात फुट ऊंची मूर्ति को दोबारा स्थापित करने की याचिका को खारिज कर दिया था। तब भी कुछ वकीलों ने इस फैसले पर नाराजगी जताई थी या फिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में जस्टिस गवई की मां ने जाने से इंकार कर दिया, इस बात से आरोपी नाराज हो। कारण जो भी यह घटना आजाद भारत के इतिहास में एक बड़ा कलंक बन गई है और इसका जिम्मेदार सीधे-सीधे नरेन्द्र मोदी की सरकार को कहा जा सकता है। भाजपा पहले भी केंद्र की सत्ता में रही है, और हिंदुत्व के नाम पर नफरत फैलाने का काम उसने पहले भी किया है। बाबरी मस्जिद को तोड़ना, गुजरात दंगे इसके उदाहरण हैं। लेकिन समाज में नफरत के इजहार को लेकर एक झिझक और संकोच था। सहिष्णुता का एक महीन सा आवरण समाज पर डला हुआ था, जो अब पूरी तरह तार-तार हो चुका है। नफरत करना और उतनी ही बेशर्मी से उसका इजहार करना अब गर्व की बात हो चुकी है। संघ से प्रेरित लोग

काफी अरसे से नारा देते आए हैं कि गर्व से कहो हम हिंदू हैं। पहले इस नारे को लगाने में लोग हिचकते थे। मगर अब मोदी सरकार में पूरा माहौल बदल चुका है। राहुल गांधी ने नफरत का कैरोसिन पूरे देश में छिड़के जाने का जो दावा किया था, वह सही दिखाई दे रहा है। देश में जातिवादी और धार्मिक आधार पर हिंसा अब भयावह रूप में सामने आ रही है। जस्टिस गवई पर हमला केवल कानून व्यवस्था का मामला नहीं है, न ही यह क्षणिक भावावेश में की गई हरकत है। बल्कि यह कई बरसों से समाज में भरी जा रही नफरत का निचोड़ है। याद रहे कि जस्टिस गवई दलित समुदाय से आने वाले दूसरे मुख्य न्यायाधीश बने हैं, लेकिन बौद्ध धर्म को मानने वाले वे पहले मुख्य न्यायाधीश हैं। हालांकि संविधान के हिसाब से न्याय की आसंदी पर बैठे व्यक्ति की धार्मिक आस्था मायने नहीं रखती है। लेकिन जब पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ राम मंदिर के लिए दिए फैसले से पहले देवी के सामने बैठने की बात कहते हैं, अपने घर में गणपति पूजा के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बुलाकर उसका सार्वजनिक इजहार करते हैं, तब समाज भी इस तथ्य को मानने लगता है कि न्यायपालिका में धार्मिक आस्था के लिए जगह बन चुकी है। अगर जस्टिस गवई की जगह कोई सवर्ण हिंदू इस समय मुख्य न्यायाधीश के पद पर होता, तब शायद इस तरह जूता उछालने का दुस्साहस नहीं किया जाता। लेकिन वे दलित हैं, क्या इसलिए उन पर हमले की कोशिश की गई, यह सवाल गंभीरता से विचार की मांग करता है। इस घटना पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा है कि दलित और अल्पसंख्यक होना इस देश में गुनाह बना दिया गया है, उनकी इस टिप्पणी को खारिज नहीं किया जा सकता। क्योंकि दलितों और अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के मामले लगातार बढ़ ही रहे हैं। अभी एनसीआरबी के ताजा आंकड़े भी यही बता रहे हैं कि इन आंकड़ों में कोई कमी नहीं आई है। अभी उत्तरप्रदेश में ही मानसिक तौर पर विक्षिप्त एक दलित युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई है। बरेली में आई लव मुहम्मद कहने पर ऐसा बवाल चल रहा है कि जुमे की नमाज के बाद लोगों से सीधे घर जाने की अपील की गई। ओडिशा में देवी विसर्जन के दौरान सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई। ये सारी घटनाएं भले छिटपुट दिखें और इनमें व्यापक तौर पर जान-माल का नुकसान न हो, लेकिन समाज को जो दीर्घकालिक नुकसान हो चुका है, अब उसकी भरपाई होनी चाहिए। इस तरह के नुकसान का सिलसिला अगर बढ़ता रहे तो फिर वाकई वैसा ही हिंदुस्तान बन जाएगा, जिसकी कोशिश में पिछले सौ सालों से संघ लगा हुआ है। मोहन भागवत हिंदू समाज की एकजुटता की बात कहें या मुसलमानों को साथ लेकर चलने की बात कहें, असल में संघ एक सवर्ण मानसिकता में पगा हुआ मनुवादी भारत बनाने की कोशिश में है।

शिक्षा जगत में जाति, भारत से विदेश तक योग्यतावाद

अमृता दासगुप्ता

प्रोफेसर मरूना मुर्मू (जादवपुर विश्वविद्यालय, इतिहास विभाग की प्रोफेसर) का जातिवादी अपमान जारी है। हाल ही में, उनसे अदालत में यह साबित करने के लिए कहा गया है कि उन्होंने कितनी पढ़ाई की है कि वे खुद को प्रोफेसर कहती हैं। पीछे मुड़कर देखें तो, यह उनके लिए पाँच साल लंबी लड़ाई रही है। इसकी शुरूआत कोविड-19 आपातकाल के दौरान परीक्षा आयोजित करने के मुद्दे पर उनकी टिप्पणी से हुई थी - एक ऐसा विषय जिस पर पूरे देश में व्यापक रूप से बहस हुई थी। प्रोफेसर मुर्मू ने सरकार के इस फैसले से छात्रों की जान जोखिम में पड़ने पर अपनी पीड़ा व्यक्त की थी। इसके जवाब में, पश्चिम बंगाल के बेथ्यून कॉलेज की एक छात्रा, पारोमिता घोष ने प्रोफेसर मुर्मू की आदिवासी जातीय पहचान पर हमला करते हुए कहा था कि अयोग्य और अक्षम लोग आरक्षण प्रणाली का लाभ उठाते हैं जबकि योग्य लोग पिछड़ जाते हैं। प्रोफेसर मुर्मू ने छात्र के खिलाफ दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 154 और अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई। मामला अभी भी लंबित है, जिससे प्रोफेसर मुर्मू को रोजमर्रा की जिंदगी में अकथनीय परीक्षणों से गुजरना पड़ रहा है। सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए संघर्ष करते हुए उनका भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा है। इस मामले के संबंध में, बंगाल के जातिविहीन राज्य होने के निराधार विचारों के बारे में पहले ही बहुत कुछ कहा जा चुका है। अब बस यह मूल्यांकन करना बाकी है कि वर्तमान समय में दुनिया भर में जाति और योग्यता के संबंधों को कैसे जीवित रखा जाता है, जो अंबेडकर के इस कथन को सत्य साबित करता हैरू ष्यदि हिंदू दुनिया के अन्य देशों में पलायन करते हैं, तो जाति एक वैश्विक समस्या बन जाएगी।ष्खप, निस्संदेह, यह भारत से शुरू होकर दुनिया भर में अपनी जड़ें फैलाएगा। वैश्विक शिक्षा जगत में जातिगत भेदभाव को पोषित करने वाले तीन बुनियादी घटक हैंरू अंग्रेजी भाषा, विदेशी संदर्भ के कारण, और विदेशों में कक्षाओं में जाति और प्रवासी समुदायों का परस्पर संबंध। भारतीय शिक्षा प्रणाली में कई पदानुक्रम मौजूद हैं। उनमें से एक है अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा तक पहुँच, जो अक्सर केवल विशेषाधिकार प्राप्त जातियों और वर्गों के लिए ही उपलब्ध होती है। जिन सार्वजनिक शिक्षण संस्थानों में शिक्षा का माध्यम क्षेत्रीय भाषा होती है, वे आमतौर पर हाशिए पर पड़ी जातियों के लिए होते हैं। संक्षेप में, जाति-आधारित हाशिए पर पड़े छात्र हमेशा अंग्रेजी में पारंगत नहीं होते। वे क्षेत्रीय भाषाओं या बोलियों में संवाद करते हैं। सवर्ण या उच्च जातियाँ भारत और विदेशों में शैक्षणिक परिदृश्य पर प्रमुखता से राज करती हैं। जातिवाद को स्पष्ट रूप से नकारने के बावजूद, भारत में कई प्रोफेसर अंग्रेजी माध्यम की पृष्ठभूमि वाले छात्रों को प्राथमिकता देते हैं और अगर छात्र क्षेत्रीय भाषाओं में कक्षाएं लेना पसंद करते हैं तो वे असहज महसूस करते हैं। इस प्रकार, अंग्रेजी में प्रवाह भारतीय शिक्षा प्रणाली में वर्ग और जाति के आधार पर भेदभाव का प्राथमिक चरण बन जाता है। किसी छात्र की जिज्ञासा या विचारों की आलोचनात्मकता के बजाय अंग्रेजी में उसकी दक्षता को महत्व देना जातिवाद और वर्ग विशेषाधिकार का एक और संकेत है। स्थानीय शिक्षा पृष्ठभूमि वाले छात्र को मार्गदर्शन देने के लिए अतिरिक्त श्रम की आवश्यकता होती है। अतिरिक्त काम से बचने के लिए, सवर्ण मार्गदर्शक जाति-आधारित हाशिए पर पड़े छात्रों को विदेशी विश्वविद्यालयों में आवेदन करने से हतोत्साहित करते हैं। मूलतः, यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे भाषा की समस्याएँ आवश्यक आलोचनात्मक कुशाग्रता के बावजूद उनके शैक्षणिक भाग्य का निर्धारण करने में एक महत्वपूर्ण कारक बन जाती हैं। परिणामस्वरूप, भारत में, अंग्रेजी-भाषी, जाति-विशेषाधिकार प्राप्त छात्र ही विदेशों में पूर्ण छात्रवृत्ति के साथ प्रवेश पाने में मुख्य रूप से सफल होते हैं। ये वे छात्र हैं जिनके लिए प्रोफेसर आसानी से सिफारिशें लिखते हैं, उन्हें अपने सहकर्मियों और विदेशी नेटवर्क से जोड़ते हैं। इससे आपूर्ति का एक अंतहीन चक्र बनता है जो सवर्ण विद्वानों के वैश्विक नेटवर्क को बनाए रखता है। इस प्रकार, जाति-हाशिए पर पड़े विद्वानों को जानबूझकर इस क्षेत्र से बाहर धकेला जाता हैकृमानो, यह कोई ऐसी चीज हो जिसके वे योग्य ही न हों, और यह एक ऐसी दुनिया हो जो उनके लिए अप्राप्य हो। इस संदर्भ में, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के सुमित समोस ने भी कुछ इसी तरह के विचार व्यक्त किए। कक्षा में प्रवेश करते ही मुझे एहसास हुआ कि मैं वहाँ के अधिकांश भारतीयों और पाकिस्तानियों से अलग हूँ। एक बार जब आप बोलना शुरू करते हैं, तो लोग समझ जाते हैं कि आप किस जाति से हैं, क्योंकि मैं हाशिए के समुदायों के प्रतीकों, आंदोलनों और राजनीतिक नेताओं के बारे में बात करता था। यह एक बहुत ही अस्पष्ट क्षेत्र है क्योंकि अगर वे आपके साथ नहीं रहना चाहते, तो वे बस यह कह सकते हैं कि यह व्यक्तिगत मतभेद हैं, यह जाति का मामला नहीं है। विदेशों में कक्षाओं में पढ़ाए जाने वाले विषयों में जाति को जानबूझकर संदर्भ में शामिल करने की कोशिश की जाती है, खासकर अगर यह दक्षिण एशिया से संबंधित पाठ्यक्रम हो।

शांति की आस

आखिरकार डोनाल्ड ट्रंप की शांति का नोबेल पुरस्कार पाने की तीव्र आकांक्षा के बीच की गई पहल से गाजा में दो साल से जारी इस्त्राइल के निरंकुश हमलों पर रोक लगने की आस जगी है। मिस्र के शर्म अल-शेख रिसॉर्ट में अमेरिका की मध्यस्थता में शुरू हुई वार्ता ने दुनियाभर में भरोसा जगाया है कि अब गाजा संकट का समाधान निकल सकता है। वास्तव में दो साल से जारी इस्त्राइल-हमास संघर्ष में मानवता कराह रही है। हालांकि, इस संकट की शुरूआत हमास के क्रूर आतंकी हमले से ही हुई थी। दरअसल, यह संघर्ष 7 अक्तूबर, 2023 को हमास के आतंकवादियों द्वारा इस्त्राइल की धरती पर गए स्तब्धकारी क्रूर हमले के बाद शुरू हुआ था। इस जघन्य नरसंहार में इस्त्राइल व कुछ अन्य देशों के बारह सौ के करीब नागरिक मारे गए थे। इतना ही नहीं हमास के आतंकवादी 250 इस्त्राइली व अन्य देशों के लोगों को बंधक बनाकर ले गए थे ताकि इस्त्राइल पर वार्ता में दबाव बनाया जा सके। अभी कुछ जीवित बंधक तथा कुछ मृतकों के शव हमास के कब्जे में हैं, जिन्हें वह वार्ता में ढाल की तरह इस्तेमाल करता रहा है। इस घटनाक्रम को यहूदियों के सबसे बड़े नरसंहार के बाद दूसरा बड़ा खूनी दिन बताया गया था। जिसका जवाब इस्त्राइल ने गाजा को मटियामेट करके दिया, जिसमें हमास के आतंकवादियों समेत 67000 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए। जिसमें अधिकांश आम नागरिक थे। इस्त्राइल के लगातार जारी घातक हमलों से गाजा आज खण्डहर में तब्दील हो गया है। बताया जाता है कि करीब 22 लाख गाजावासियों में ज्यादातर बेघर हैं और भूख से जूझ रहे हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद द्वारा नियुक्त स्वतंत्र वरिष्ठ जांचकताओं ने निष्कर्ष निकाला था कि गाजा में इस्त्राइली हमलों की कार्रवाई नरसंहार की श्रेणी में आती है। मिस्र के शर्म अल-शेख रिसॉर्ट में अमेरिका की मध्यस्थता में शुरू हुई वार्ता के बाद कहा जा रहा है कि इस्त्राइल और हमास अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित 20-सूत्रीय योजना के कुछ हिस्सों को लेकर सहमत हो गए हैं। बहरहाल, इस्त्राइल व हमास के समझौते की ओर बढ़ने से हमास के कब्जे में रखे गए बंधकों की रिहाई की उम्मीद भी जगी है। हालांकि, इस समझौता वार्ता का एक विवादास्पद मुद्दा हमास का निरस्त्रीकरण भी है, जिसे हमास स्वीकारने को तैयार नहीं हो रहा था। वहीं गाजा के शासन से हमास को बाहर रखे जाने के मुद्दे का भी वार्ता के परिणामों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इस वार्ता को लेकर भारत ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। भारत ने ट्रंप की योजना को फलस्तीन और इस्त्राइली लोगों के लिये दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग बताते हुए, इस पहल की सराहना की है। निस्संदेह, भारत की यह सक्रिय प्रतिक्रिया हाल के वर्षों में गाजा संघर्ष में युद्धविराम से संबंधित संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों पर मतदान से उसके बार-बार परहेज करने के बिल्कुल विपरीत है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने ही भारत ने फलस्तीनी मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान और द्विराज्य विकल्प के क्रियान्वयन पर न्यूयॉर्क घोषणापत्र का समर्थन करने वाले संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया था। इस परिप्रेक्ष्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव तब देखा गया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौ सितंबर को कतर पर हुए इस्त्राइली हमलों की निंदा की थी। हालांकि, उन्होंने इस बाबत हमलावर, इस्त्राइल का नाम लेने से परहेज किया था। इसमें दो राय नहीं कि ट्रंप की योजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन देना स्पष्ट रूप से भारत और अमेरिका के संबंधों को पटरी पर लाने के एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। वैसे देखा जाए तो दिल्ली ने इस्त्राइल के मामले में काफी हद तक सावधानी बरती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पहलगाम हमले के बाद आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के बचाव के अधिकार का इस्त्राइल ने पुरजोर समर्थन किया था। भारत को उम्मीद है कि पश्चिम एशिया में उसकी यह पहल अशांत क्षेत्र में शांति बहाल होने पर फायदेमंद साबित हो सकती है।

मनोरंजन

विश्व बैंक ने बढ़ाया भारत की वृद्धि दर का अनुमान, उपभोक्ता खर्च से मजबूत बने रहने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के विकास अनुमान को पहले के 6.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। उपभोक्ता खर्च में लगातार मजबूती के चलते भारत देश के सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने की उम्मीद है। विश्व बैंक ने मंगलवार को भारत की चालू वित्तीय वर्ष की वृद्धि दर का अनुमान 6.3% से बढ़ाकर 6.5% कर दिया। बैंक ने कहा कि उपभोक्ता खर्च में लगातार मजबूती के चलते भारत देश के सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने की उम्मीद है। हालांकि, विश्व बैंक ने चेतावनी दी कि अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क अगले वर्ष देश की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डाल सकते हैं। इसने 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया। वित्त वर्ष 2027-28 के लिए विश्व बैंक ने 6.3 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है।

'हल्की खुशबू से नफरत...', हिना खान ने खुद को बताया क्रेजी परफ्यूम लवर

टीवी एक्ट्रेस हिना खान ने आज सोशल मीडिया स्टोरी पर एक खास वीडियो शेयर किया और साथ ही बताया की उन्हें हल्की खुशबू से नफरत है। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से मशहूर हुईं एक्ट्रेस हिना खान ने आज सोशल मीडिया हैंडल की स्टोरी पर एक खास वीडियो शेयर किया है। इस पोस्ट के जरिए हिना ने खुद को क्रेजी परफ्यूम लवर बताया है। हिना खान का पोस्ट आज मंगलवार 7 अक्तूबर को हिना खान ने अपने इंस्टाग्रम हैंडल की स्टोरी पर एक खास वीडियो शेयर किया है। जिसमें मेकअप रूम में तरह-तरह के गहने नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही कई तरह की परफ्यूम भी दिखाई दे रही हैं। इस वीडियो क्लिप में, हिना अपनी वैनिटी में अपने बाल संवारती दिख रही हैं और खुद

को रिकॉर्ड कर रही हैं। इस वीडियो के साथ हिना ने कैप्शन में लिखा, 'बस एक और दिन का काम... हां, मैं परफ्यूम की दीवानी हूं, मुझे औसत खुशबू से नफरत है।' हिना की इस पोस्ट में उनके मेकअप आर्टिस्ट भी दिखाई दे रहे हैं। हिना के जन्मदिन पर रॉकी का पोस्ट हाल ही में हिना खान ने शादी के बाद अपना पहला जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर हिना के पति रॉकी जायसवाल ने इंस्टाग्राम पर कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं और एक खास नोट भी लिखा। इन रोमांटिक तस्वीरें के साथ रॉकी ने कैप्शन में लिखा, 'मैंने तुम्हें पाया। तुम मेरे लिए जिंदगी हो। तुम मेरे लिए जिंदगी से भी बढ़कर हो। जन्मदिन मुबारक हो, मेरे प्यार। मेरी पत्नी, जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। मैं तुमसे प्यार करता हूं।' हिना का करियर हिना खान ने 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में 'अक्षरा' के किरदार से प्रसिद्धि हासिल की। डेली सोप में अभिनय के अलावा हिना 'खतरों के खिलाड़ी' और 'बिग बॉस सीजन 11' जैसे रियलिटी शो में भी नजर आईं। हिना ने अपनी फिल्म 'लाइन्स' के साथ प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में भी डेब्यू किया। हाल ही में, अभिनेत्री अपने पति रॉकी जायसवाल के साथ रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आईं। इस सेलिब्रिटी शो को सोनाली बेंद्रे और मुनव्वर फारुकी ने होस्ट किया।

रजनीश घई ने की 120 बहादुर के कलाकारों को बताया शानदार

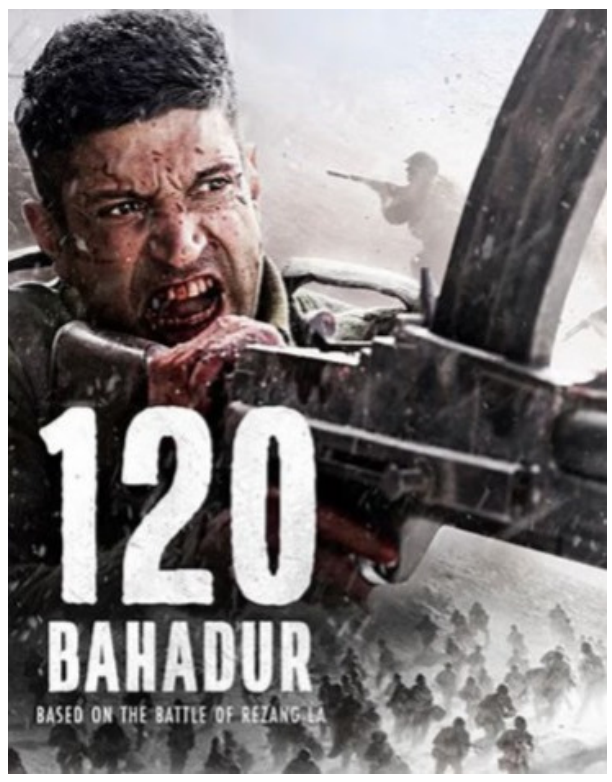

कहा- मैंने उन्हें बहुत ही कठिन प्रक्रिया से निकाला..

निर्देशक रजनीश घई की आने वाली वॉर ड्रामा 120 बहादुर का दूसरा टीजर 20 सितंबर को, यानी लता मंगेशकर की जयंती के दिन रिलीज किया गया था। टीजर को देशभर के दर्शकों से जबरदस्त प्यार और प्रतिक्रिया मिली। वहीं, अब इस फिल्म के निर्देशक रजनीश घई ने फिल्म की मेकिंग से जुड़ी दिलचस्प जानकारी शेयर की है। रजनीश रैजी घई ने बताया, 120 बहादुर में चार्ली कंपनी के सैनिकों का किरदार निभाने वाले कलाकार वाकई शानदार हैं। ज्यादातर कलाकार पहली बार फिल्म में काम कर रहे हैं, उन्होंने पहले कभी कोई फिल्म नहीं की है। मैंने उन्हें एक बहुत ही कठिन प्रक्रिया से निकाला। उन्होंने कहा, हमने उसी अंतरराष्ट्रीय एक्शन टीम को लिया जिसने ऑल क्वाइट ऑन द वेस्टर्न फ्रंट पर काम किया था, जिसने कई ऑस्कर जीते थे। वे महीनों तक भारत में रहे और हमारे कलाकारों को हथियार चलाने, बॉडी लैंग्वेज, हाथ से हाथ मिलाने और 303 राइफल चलाने का गहन प्रशिक्षण दिया। एक्शन टीम और हमारी तरफ से काफी तैयारी की जरूरत थी। घई ने कहा, एक आर्मी बॉय होने के नाते, मैं सेना के जीवन की बुनियादी बातें, अनुशासन, बारीकियों और तौर-तरीकों को समझता हूं और हमने यह सुनिश्चित किया है कि यह सब स्क्रीन पर पूरी तरह से दिखाई दे। मुझे लगता है कि सभी कलाकारों ने कमाल का काम किया है और यह कुछ ऐसा है जिसे दुनिया बहुत जल्द देखेगी। बता दें, फिल्म श120 बहादुरश 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 भारतीय सैनिकों के असाधारण साहस को बयान करती है, जिन्होंने 1962 के वॉर के दौरान रेजांग ला की लड़ाई लड़ी थी। इस फिल्म में फरहान अख्तर ने मेजर शैतान सिंह भाटी, पीवीसी की भूमिका निभाई है, जिन्होंने अपने जवानों के साथ मिलकर भारतीय सैन्य इतिहास की सबसे निर्णायक लड़ाइयों में से एक में हर मुश्किल का सामना किया था। इस फिल्म को रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट), और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज) ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म 120 बहादुर 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दूसरी बार पिता बनने के बाद पहली बार दिखे अरबाज खान

बेटे अरहान संग अस्पताल के बाहर हुए स्पॉट

बॉलीवुड एक्टर और फिल्ममेकर अरबाज खान इस समय बेहद खुश नजर आ रहे हैं। हाल ही में उनकी पत्नी शूरा खान ने एक प्यारी सी बेटी को जन्म दिया है, जिसे लेकर पूरे खान परिवार में खुशी का माहौल है। कोई न कोई फैमिली मेंबर लगातार अस्पताल में शूरा और नन्ही परी से मिलने पहुंच रहा है। इसी बीच हाल ही में अरबाज खान को दूसरी बार पापा बनने के बाद पहली बार स्पॉट किया गया, जहां से उनका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। शूरा खान ने मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में बेटी को जन्म दिया है। ऐसे में पूरे खान परिवार के सदस्य अस्पताल पहुंचे और नवजात बेटी से मिलने की खुशी में शामिल हुए। वहीं, हाल ही में जो अरबाज का वीडियो सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता

है कि एक्टर अपने बेटे अरहान खान संग न्यूबॉर्न बेबी को मिलकर अस्पताल से बाहर आ रहे हैं। इस दौरान अरबाज का बेहद कैजुअल लुक देखने को मिल रहा है। वहीं, अरहान भी कूल लुक में नजर आ रहे हैं। बता दें, इससे पहले अरबाज के बड़े भाई सलमान खान भी अस्पताल पहुंचे थे और उनके चेहरे पर भतीजी से मिलने की खुशी साफ तौर पर दिखाई दे रही थी। शूरा और अरबाज की शादी 24 दिसंबर 2024 को हुई थी। दोनों ने फैमिली और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में निकाह किया था। शूरा अरबाज की दूसरी पत्नी हैं और दोनों के बीच करीब 23 साल का उम्र का अंतर है। इससे पहले अरबाज की शादी मलाइका अरोड़ा से हुई थी, जिससे उनका एक बेटा अरहान खान है। हालांकि, कुछ सालो बाद 2017 में दोनों का तलाक हो गया था।

कांतारा: चौप्टर 1 के स्टार ऋषभ शेट्टी और उनकी टीम से दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने की मुलाकात

दुनियाभर में लंबे इंतजार के बाद, होम्बले फिल्म्स और ऋषभ शेट्टी की कांतारारू चौप्टर 1, जो कांतारारू अ लीजेंड का प्रीक्वल है, पिछले हफ्ते सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म के ट्रेलर और गानों ने पहले ही इंटरनेट पर धमाल मचा दिया था, लेकिन रिलीज के बाद इसने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ दिए और एक ग्लोबल फेनोमेनन बन गई। दुनियाभर के दर्शक और समीक्षको ने इसकी दमदार कहानी, शानदार परफॉर्मेंस और लाजवाब विजुअल्स की तारीफ करनी जारी रखा है। ऐसे में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता हाल ही में मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में फिल्म कांतारारू चौप्टर 1 की टीम से मिली, जिसमें अभिनेता और निर्देशक रिषभ शेट्टी भी शामिल थे। इस मुलाकात में भारतीय फिल्मों की बढ़ती पहचान और यह दिखाने की ताकत बताई गई कि कैसे ये फिल्में भारत की आध्यात्मिक और पारंपरिक संस्कृति को सामने लाती हैं और उसे बचाती हैं। उन्होंने अपनी इस मुलाकात के बारे में अपने एक्स हैंडल पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा है, आज मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में हम कांतारारू चौप्टर 1 के एक्टर और डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी, और उनकी टीम से मिले। फिल्म भारत की आध्यात्मिक गहराई और सांस्कृतिक समृद्धि को खूबसूरती से पेश करती है, हमारी परंपराओं की आत्मा को जीवंत करती है। कांतारा जैसी रचनाएँ गर्व से हमारी विरासत की भावना को वैश्विक मंच तक पहुँचाती हैं।कांतारा: चौप्टर 1 चौथी सदी में सेट है और यह कांतारा की पवित्र और रहस्यमय धरती की कहानी दिखाती है। फिल्म में इसकी पुरानी कहानियां, पुराने झगड़े और खास घटनाएं दिखाई गई हैं। यहाँ लोककथाओं, विश्वास और संघर्ष की कहानी है, जो सीधे धरती से जुड़ी है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी, सप्तमी गौड़ा, गुलशन देवैया, रुक्मिणी वसंत, जयराम, पीडी सतीश चंद्र, प्रकाश थुमिनाड जैसे कई कलाकार हैं, जिन्होंने इस कहानी को जीता-जागता बना दिया है। कांतारा: चौप्टर 1 को ऋषभ शेट्टी ने लिखा, डायरेक्ट किया और उसमें लीड भूमिका निभाई निभाई है। इस फिल्म को विजय किरगंदुर ने होम्बले फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। फिल्म में अरविंद एस. कश्यप की सिनेमेटोग्राफी है, जबकि बी. अजनीश लोकनाथ का म्यूजिक है, जिन्होंने इस कहानी की जादुई दुनिया को बनाने में बड़ी मदद की।

ट्यूलिप्स ने भारत में लॉन्च किए एडल्ट डायपर पैंट्स, बोमन ईरानी बने ब्रांड एंबेसडर

भारत के अग्रणी पर्सनल हाइजीन ब्रांड ट्यूलिप्स ने आज एडल्ट हाइजीन कैटेगरी में कदम रखते हुए ट्यूलिप्स एडल्ट डायपर पैंट्सलॉन्च किए। इसके साथ ही, ब्रांड ने बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर बोमन ईरानी को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इस अभियान का नाम रखा गया है लाइफ पर फुल कंट्रोल, जिसका उद्देश्य है जागरूकता बढ़ाना और एडल्ट डायपर इस्तेमाल को लेकर बनी झिझक को तोड़ना। नए लॉन्च हुए ट्यूलिप्स एडल्ट डायपर पैंट्स में

एलोवेरा-कोटेड अंदरूनी परत दी गई है जिससे आरामदायक अनुभव मिलता है। इसमें एडवांस्ड लीक प्रोटेक्शन है जो 10 घंटे तक सुरक्षा देता है, ओडर लॉक टेक्नोलॉजी है जिससे पूरे दिन ताजगी बनी रहती है, और टियर-अवे साइड पैनल्स हैं ताकि आसानी से निकाला जा सके। ये डायपर यूनिसेक्स पुल-अप स्टाइल में हर साइज में उपलब्ध हैं और दिखने-सोचने में बिल्कुल सामान्य अंडरवियर जैसे हैं। लॉन्च पर ट्यूलिप्स के डायरेक्टर राहुल जैन ने कहा आजकल की लाइफस्टाइल से ज्यादातर सीनियर सिटीजन्स को ब्लैडर कंट्रोल की समस्या होती है, जिससे बार-बार पेशाब जाने की दिक्कत (यूरिनरी इनकॉन्टिनेंस) बढ़ रही है। डायबिटीज, प्रोस्टेट की दिक्कत, बार-बार यूटीआई या महिलाओं में मेनोपॉज जैसी समस्याएं इसे और गंभीर बनाती हैं। हमारे सर्वे में कई बुजुर्गों ने माना कि एडल्ट डायपर का इस्तेमाल डिपेंडेंसी जैसा लगता है, इसलिए लोग इस पर बात करने से भी कतराते हैं। इसी वजह से भारत में इसका मार्केट अभी सिर्फ 2: तक सीमित है। हमें लगा कि इस विषय पर एक नेशनल बातचीत शुरू करना जरूरी है। इसके लिए एक मजबूत और सम्मानित आवाज चाहिए थी, और इसके लिए बोमन ईरानी से बेहतर कोई नहीं हो सकता। आज हम उनके साथ एक सेंसिटिव शॉर्ट फिल्म भी रिलीज कर रहे हैं, जो बुजुर्गों को प्रेरित करेगी कि डायपर को कमजोरी नहीं, बल्कि आजादी और आत्मनिर्भरता का साधन समझें। बोमन ईरानी ने अपनी खुशी जताते हुए कहा- मैं ट्यूलिप्स के साथ जुड़कर बहुत खुश हूं। उम्र का मतलब कभी भी रोक-टोक नहीं होना चाहिए। ट्यूलिप्स एडल्ट डायपर पैंट्स सीनियर सिटीजन्स को आराम, आत्मनिर्भरता और आत्म-सम्मान के साथ जीने में मदद करेंगे। इनोवेशन की अपनी विरासत के साथ ट्यूलिप्स हमेशा लोगों की असली समस्याओं का हल ढूँढता आया है। भारत में 2017 में 100: फ्लशेबल वेट वाइप्स लाने वाला पहला ब्रांड हो या कोविड काल में देश का पहला कोविड स्वैब बनाने वाला ट ट्यूलिप्स लगातार नई राह दिखाता रहा है। आज, 17 से ज्यादा देशों में हर साल 6 करोड़ से अधिक ट्यूलिप्स प्रोडक्ट्स इस्तेमाल होते हैं, जो ग्राहकों के भरोसे को साबित करता है।

स्मृति मंधाना का वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर दबदबा कायम, ब्रंट से इतने अंकों से हैं आगे

दुबई (एजेंसी)। मंधाना भले ही शीर्ष पर मौजूद हैं, लेकिन उनकी बढ़त कम हो गई है। मंधाना के 791 अंक हैं और वह इंग्लैंड की नेट स्किवर ब्रंट से 60 अंक आगे हैं। भारतीय महिला टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने शीर्ष पर अपना दबदबा कायम रखा है। मंधाना आईसीसी की जारी महिलाओं की नवीनतम बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार हैं। मंधाना का बल्ला हालांकि, विश्व कप में खामोश चल रहा है और वह पहले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी हैं। लेकिन रैंकिंग में उनका दबदबा कायम है। मंधाना की बढ़त कम हुई मंधाना भले ही शीर्ष पर मौजूद हैं, लेकिन उनकी बढ़त कम हो गई है। मंधाना के 791 अंक हैं और वह इंग्लैंड की नेट स्किवर ब्रंट से 60 अंक आगे हैं। महिला विश्व कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन महिला वनडे मैच की सीरीज में लगातार दो शतक जड़ने वाली मंधाना श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ आठ, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ 23 रन ही बना सकीं थीं। एश्ले गार्डनर करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंचीं ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 713 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स (706) और ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर (697) न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़ने के बाद आईसीसी रैंकिंग में क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

टेक्सास में गैस स्टेशन पर भारतीय छात्र की हत्या करने वाला गिरफ्तार

वारदात का मकसद तलाशने में जुटी पुलिस

ूस्टन (एजेंसी)। अमेरिका के टेक्सास राज्य में 23 वर्षीय एक युवक को भारतीय छात्र चंद्रशेखर पोल की

हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना शुक्रवार रात फोर्ट वर्थ शहर के एक गैस स्टेशन पर हुई, आरोपी की पहचान रिचर्ड फ्लोरेज नॉर्थ रिचलैंड हिल्स के निवासी रूप में हुई है। आरोपी ने दूसरी जगह पर भी चलाई गोलियां इसके कुछ ही समय बाद, आरोपी ने करीब एक मील दूर एक अन्य वाहन पर भी गोलियां चलाईं, लेकिन वहां कोई घायल नहीं हुआ। बाद में उसने पास के एक घर में घुसने की कोशिश करते हुए अपनी कार गेट से टकरा दी। पुलिस ने उसे वहीं गिरफ्तार कर लिया। फोर्ट वर्थ पुलिस प्रवक्ता ऑफिसर ब्रैड पेरेज ने बताया कि 'पुलिस ने आरोपी की गाड़ी से एक बंदूक बरामद की है। आरोपी वर्तमान में अस्पताल में भर्ती है, लेकिन उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है।' स्थानीय प्रशासन ने बताया कि फोर्ट वर्थ और टैरेंट काउंटी की ओर से इस मामले में औपचारिक बयान और आगे की जांच रिपोर्ट सरकारी शटडाउन के कारण कुछ देर से जारी की जाएगी। फिलहाल जांच जारी है और हत्या के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं हुआ है। वारदात से परिवार और समुदाय में शोक भारतीय छात्र की हत्या के मामले में ूस्टन स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा है कि वे चंद्रशेखर के परिवार से संपर्क में हैं और उनके पार्थिव शरीर को भारत भेजने की प्रक्रिया में सहायता कर रहे हैं। वहीं स्थानीय भारतीय-अमेरिकी समुदाय और विदेशी छात्र इस घटना से बेहद दुखी और भयभीत हैं। उनका कहना है कि हाल के महीनों में भारतीय छात्रों पर बढ़ते हमलों और रहस्यमय मौतों ने सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। चंद्रशेखर पोल के परिवार और मित्रों की मदद के लिए एक 'गोफंडमी' अभियान शुरू किया गया है, जिससे उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने और परिवार को आर्थिक सहयोग देने का प्रयास किया जा रहा है। चंद्रशेखर पोल तेलंगाना के हैदराबाद के रहने वाले थे। उन्होंने बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) की पढ़ाई भारत में पूरी की थी और दो साल पहले अमेरिका गए थे ताकि वे डेटा एनालिटिक्स में मास्टर डिग्री कर सकें। वे नॉर्थ टेक्सास यूनिवर्सिटी, डेंटन से छह महीने पहले ही एमएस पूरा कर चुके थे और नौकरी की तलाश में थे। उनके भाई दामोदर पोल ने बताया कि वह आत्मनिर्भर बने रहने के लिए पार्ट-टाइम गैस स्टेशन में काम कर रहे थे। अमेरिका में बढ़ती घटनाएं, गहराता डर अमेरिका में इस तरह ये कोई पहली घटना नहीं है। इसी साल जनवरी 2025 में, कनेक्टिकट में तेलंगाना के 26 वर्षीय छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहीं रंगारेड्डी जिले के एक युवक को भी अमेरिका में संदिग्ध हालत में मृत पाया गया था। सितंबर 2025 में, महबूबनगर जिले के एक 30 वर्षीय व्यक्ति को कैलिफोर्निया में पुलिस ने गोली मार दी थी, जब उसका अपने रूममेट से झगड़ा हुआ था। इन मामलों के बाद, भारतीय दूतावासों को बार-बार छात्रों और उनके परिवारों की सहायता के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा है। शवों को भारत लाने में कई बार हफ्तों लग जाते हैं, क्योंकि प्रक्रिया में कानूनी और प्रशासनिक जटिलताएं शामिल होती हैं। अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा पर सवाल इस वारदात के बाद फिर से विदेशों में भारतीय छात्रों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा हो गया है, खासकर उन छात्रों की, जो अपनी पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट-टाइम काम करते हैं। देर रात या असुरक्षित इलाकों में काम करना कई बार उन्हें खतरे में डाल देता है। भारतीय समुदाय के लोग अब यह मांग कर रहे हैं कि विश्वविद्यालय और स्थानीय प्रशासन ऐसे छात्रों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करें और देर रात काम करने वालों को सुरक्षित विकल्प उपलब्ध कराएं।

ब्राजील के राष्ट्रपति सिल्वा के बदले सुर, टैरिफ कम करने के लिए 30 मिनट तक ट्रंप से की बातचीत

ब्रासीलिया (एजेंसी)। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 30 मिनट की फोन वार्ता हुई। इस दौरान सिल्वा ने अमेरिकी टैरिफ और प्रतिबंध हटाने की मांग की। बातचीत सौहार्दपूर्ण रही और दोनों नेताओं ने जल्द आमने-सामने मिलने पर सहमति जताई। ब्राजील पर ट्रंप ने पहले 10%, फिर 40% तक टैरिफ बढ़ा दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति दुनियाभर के कई देशों पर भारी पड़ रहा है। इसमें भारत, ब्रजील जैसे देशों का नाम भी शामिल है। इसी बीच ब्राजील

के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ब्राजीलियाई वस्तुओं पर 40% टैरिफ और स्थानीय अधिकारियों के विरुद्ध अमेरिका की ओर से लगाए गए प्रतिबंधात्मक उपायों को हटाने का अनुरोध किया है। दोनों नेताओं ने इस मामले में कुल 30 मिनट तक फोन पर आपस में बातचीत की। मामले में ब्रजील सरकार की ओर से जारी बयान में दोनों नेताओं के फोन पर बातचीत की पुष्टि की गई है। साथ ही बयान में ये भी बताया गया कि ब्रजील के राष्ट्रपति सिल्वा और डोनाल्ड ट्रंप दोनों ने जल्द व्यक्तिगत रूप से मिलने पर सहमति जताई। बातचीत का लहजा दोस्ताना था। ट्रंप का बातचीत पर सहारात्मक रुख इस दौरान ट्रंप ने कहा कि लूला के साथ उनकी बहुत अच्छी बातचीत रही। दोनों ने मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था और व्यापार पर चर्चा की। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, हम आगे भी चर्चा करेंगे और निकट भविष्य में ब्राजील और अमेरिका में मिलेंगे।

कनाडा के प्रधानमंत्री और फिनलैंड के राष्ट्रपति से मिलेंगे ट्रंप

जापान की भावी पीएम ताकाइची को दी बधाई

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ये मुलाकातें अमेरिकी विदेश नीति के लिए काफी अहम माने जा रहे हैं। कनाडा और फिनलैंड, दोनों देश अमेरिका के करीबी सहयोगी हैं। वहीं जापान के साथ ट्रंप ने अपने कार्यकाल में कई बार रक्षा और व्यापारिक साझेदारी पर जोर दिया है। इससे माना जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन अपने पुराने सहयोगियों के साथ रिश्तों को फिर मजबूत करने की दिशा में सक्रिय है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस हफ्ते दो बड़े अंतरराष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं। इसमें कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने जापान की भावी प्रधानमंत्री साने ताकाइची को उनकी जीत पर बधाई दी है। क्या है ट्रंप का कार्यक्रम? व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने सोमवार को बताया कि ट्रंप मंगलवार को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से व्हाइट हाउस में औपचारिक बैठक करेंगे। इसके बाद गुरुवार को वे अपने कैबिनेट की बैठक करेंगे और उसी दिन दोपहर को उनकी फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब से भी मुलाकात होगी। लेविट ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का कल व्हाइट हाउस में स्वागत करेंगे। गुरुवार को वे अपने कैबिनेट की बैठक करेंगे, और फिर फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर

स्टब के साथ बैठक करेंगे।' 'कनाडा बिकाऊ नहीं': कार्नी का ट्रंप को जवाब बता दें कि कुछ महीने पहले मई में जब ट्रंप और कार्नी की मुलाकात हुई थी, तब दोनों के बीच थोड़ा तीखा संवाद हुआ था। इस दौरान ट्रंप ने मजाकिया लहजे में कहा था कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाना चाहिए। इस पर कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने सीधा जवाब दिया, 'रियल एस्टेट की तरह कुछ जगहें बिकाऊ नहीं होतीं। कनाडा भी बिकाऊ नहीं है, और कभी नहीं होगा।' इस पर भी ट्रंप ने अपनी बात से पीछे नहीं हटते हुए कहा, 'समय बताएगा। मैं 'कभी नहीं' पर विश्वास नहीं करता। कई बार जो चीजें नामुमकिन लगती हैं, वे दोस्ताना तरीके से मुमकिन हो जाती हैं।' जापान की नई महिला प्रधानमंत्री को दी बधाई उन्होंने बताया कि ट्रंप ने जापान की नई नेता साने ताकाइची को भी बधाई दी है। लेविट ने बताया कि, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझे कहा है कि मैं जापान को बधाई देता हूं, जिन्होंने अपनी अगली प्रधानमंत्री का चुनाव किया है। वह एक बेहद सम्मानित और समझदार नेता हैं, जो हमारे महान सहयोगी देश जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं।' जापान में इतिहास रचने जा रहीं साने ताकाइची ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में जापान की भावी प्रधानमंत्री साने ताकाइची को 'बुद्धिमान और दृढ़ इच्छाशक्ति वाली महिला' बताया। उन्होंने कहा कि वे जापान के 'अद्भुत लोगों' को भी बधाई देते हैं। बता दें कि सत्तारूढ़ पार्टी की तरफ से ताकाइची के चुने जाने के बाद वे जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं, जो देश के राजनीतिक इतिहास में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

'मनरेगा के नियमों से छेड़छाड़ कर रही केंद्र सरकार', कांग्रेस सांसद का आरोप- यह तानाशाही

नईदिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि 'मनरेगा का फंड किसी अन्य योजना पर खर्च करने से ग्राम सभा की शक्ति छिन जाती है। अब ग्रामीण और ग्राम सभा तय नहीं करते कि फंड कहां इस्तेमाल होगा बल्कि मोदी सरकार तय करती है।' कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने केंद्र सरकार पर मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून) कानून के नियमों से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मनरेगा के 60 फीसदी फंड का जल संबंधी योजनाओं के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि सरकार ने मनरेगा योजना को तबाह कर दिया है। 'यह दिल्ली की तानाशाही' एक अखबार के लेख को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए मणिकम टैगोर ने लिखा कि 'मोदी सरकार ने चुपचाप मनरेगा के नियमों में फेरबदल कर दिया है। मनरेगा का 60 प्रतिशत फंड जल संबंधी परियोजनाओं में इस्तेमाल

किया जा रहा है। मनरेगा योजना गरीब ग्रामीण परिवारों को रोजगार की गारंटी देने और गांवों के विकास जैसे सड़क, घर, तालाब और स्कूलों आदि के निर्माण के लिए शुरू की गई थी। लेकिन अब केंद्र सरकार तय कर रही है कि इसका फंड कहां खर्च होगा। यह विकेंद्रीकरण नहीं बल्कि दिल्ली की तानाशाही है।' 'मनरेगा योजना को तबाह कर दिया गया' कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि 'मनरेगा का फंड किसी अन्य योजना पर खर्च करने से ग्राम सभा की शक्ति छिन जाती है। अब ग्रामीण और ग्राम सभा तय नहीं करते कि फंड कहां इस्तेमाल होगा बल्कि मोदी सरकार तय करती है। मनरेगा की पूरी भावना है, नीचे से ऊपर की ओर विकास, लेकिन इसे तबाह कर दिया गया है।' कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि 'इससे भी बुरी बात ये है कि जिन योजनाओं के लिए फंड इस्तेमाल किया जा रहा है, वह पानी बचाने के बारे में नहीं है बल्कि सरकार की साख बचाने के बारे में है। सरकार वर्षों से भूजल संकट को नजरअंदाज कर रही है और ये सिर्फ साल 2029 में बड़े आंकड़ें दिखाना चाहते हैं।'

'एयर इंडिया विमान हादसे की जांच में कोई गड़बड़ी नहीं', विमानन मंत्री राममोहन नायडू का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं हो रही है। इस हादसे में 260 लोगों की जान चली गई थी। मंत्री का यह बयान

तब आया है, जब कुछ लोग विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की जांच पर सवाल उठा रहे हैं। नायडू ने कहा कि यह जानने के लिए कि वास्तव में क्या हुआ था, सभी को एएआईबी की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना होगा। विमानन मंत्री ने कहा, जांच में कोई हेराफेरी या कोई गड़बड़ी नहीं हो रही है। यह एक बहुत ही साफ-सुधरी और गहन प्रक्रिया है, जिसे हम नियमों के मुताबिक कर रहे हैं। नायडू राष्ट्रीय राजधानी में एक पुस्तक विमोचन समारोह में बोल रहे थे। अहमदाबाद में हुआ था विमान हादसा 12 जून को अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लंदन के गैटविक के लिए उड़ान भरने वाला एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान (अक-171) टेकऑफ के कुछ सेकंड बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में 260 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 241 यात्री शामिल थे। इसे भारत के सबसे बड़े विमान हादसों में एक माना गया। एएआईबी की शुरूआती रिपोर्ट और विवाद एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट12 जुलाई को जारी हुई थी। उसमें बताया गया था कि टेकऑफ के कुछ ही सेकंड बाद विमान के दोनों इंजनों को जाने वाली ईंधन आपूर्ति लगभग एक साथ बंद हो गई। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर में एक पायलट को यह कहते सुना गया कि 'तुमने कटऑफ क्यों किया?', जिस पर दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा कुछ नहीं किया।

गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से इस्राइल को 21 अरब डॉलर की सैन्य मदद दे चुका अमेरिका, रिपोर्ट में खुलासा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। मंगलवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका, बीते दो साल में इस्राइल को करीब 21.7 अरब डॉलर की सैन्य सहायता दे चुका है। इसमें बाइडन प्रशासन और ट्रंप प्रशासन द्वारा दी गई मदद शामिल है। हमास के इस्राइल पर हमले और गाजा में इस्राइल की जवाबी कार्रवाई को दो साल पूरे हो चुके हैं। हमास ने 7 अक्तूबर 2023 को इस्राइल पर हमला किया था। जिसके बाद संघर्ष की शुरूआत हुई और यह अभी भी जारी है। अमेरिका ने पश्चिम एशिया में विभिन्न अभियानों पर खर्च किए 10 अरब डॉलर ब्राउन विश्वविद्यालय के

वाटसन स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स द्वारा प्रकाशित 'कॉस्ट्स ऑफ वॉर' (युद्ध की लागत) नामक एक अध्ययन में ये भी कहा गया है कि अमेरिका ने पिछले दो वर्षों में पश्चिम एशिया में सुरक्षा सहायता और विभिन्न अभियानों पर करीब 10 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक रकम खर्च की है। यह रिपोर्ट सार्वजनिक तौर पर मौजूद तथ्यों और रिपोर्ट्स पर आधारित है। अमेरिका के विदेश विभाग ने इस रिपोर्ट पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। वहीं व्हाइट हाउस ने पेंटागन से इस संबंध में सवाल करने को कहा है। बाइडन प्रशासन में दी गई भारी वित्तीय मदद यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा गाजा में युद्ध को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए इस्राइल और हमास के प्रतिनिधि मिस्त्र में बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि अमेरिकी मदद के बिना इस्राइल, गाजा में अपने अभियान को जारी नहीं रख पाता। रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न द्विपक्षीय समझौते के तहत अमेरिका भविष्य में भी इस्राइल को अरबों डॉलर की वित्तीय मदद देगा। रिपोर्ट में बताया गया है गाजा युद्ध के पहले वर्ष में, जब पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन सत्ता में थे, अमेरिका ने इस्राइल को 17.9 अरब डॉलर की सैन्य मदद दी। वहीं गाजा युद्ध के दूसरे वर्ष में 3.8 अरब डॉलर की मदद दी गई है। यह रिपोर्ट वॉशिंगटन स्थित क्विसी इंस्टीट्यूट फॉर रिस्पॉन्सिबल स्टेटक्राफ्ट के साथ मिलकर तैयार की गई है। हालांकि कुछ इस्राइल समर्थक समूह क्विसी इंस्टीट्यूट पर अलगाववादी और इस्राइल विरोधी होने का आरोप लगाते हैं। वहीं संस्थान ने इन आरोपों से इनकार किया है। पश्चिम एशिया में विभिन्न अभियानों पर भी भारी खर्च किया रिपोर्ट में बताया गया है कि यमन में हूती विद्रोहियों पर हमले, ईरान में परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले और पश्चिम एशिया में अन्य व्यापक गतिविधियों पर अमेरिका ने गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से 9.65 अरब डॉलर से लेकर 12 अरब डॉलर तक खर्च किए हैं। ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के लिए अमेरिका ने करीब 2 अरब अमेरिकी डॉलर से लेकर 2.25 अरब अमेरिकी डॉलर के बीच खर्च किए।

बलूच विद्रोहियों ने फिर बनाया जाफर एक्सप्रेस को निशाना, विस्फोट के बाद कई डिब्बे पटरी से उतरे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। बलूच विद्रोहियों का दावा है कि हमले में कई पाकिस्तानी सैनिक यात्रा कर रहे थे और उन्हें निशाना बनाकर हमला

किया गया था। इस हमले में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं और कई अन्य घायल हैं। पाकिस्तान में बलूच विद्रोहियों ने एक बार फिर जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया है। बलूचिस्तान रिपब्लिकन गार्ड्स ने मंगलवार को दावा किया कि उन्होंने जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया और आईईडी विस्फोट कर ट्रेन के कई डिब्बों को पटरी से उतार दिया। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला सुल्तान कोट इलाके में किया गया, जो शिकारपुर और जैकबाबाद इलाके के बीच में स्थित है। इफ्फ्ने ऐलान किया है कि बलूचिस्तान की आजादी तक ऐसे हमले जारी रहेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिमोट कंट्रोल से नियंत्रित आईईडी विस्फोट किया गया। विस्फोट इतना ताकतवर था कि उसके असर से ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन के पटरी से उतरने से चार यात्री घायल हुए हैं। वहीं बलूच विद्रोहियों का दावा है कि हमले में कई पाकिस्तानी सैनिक यात्रा कर रहे थे और उन्हें निशाना बनाकर हमला किया गया था। इस हमले में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं और कई अन्य घायल हैं। बलूच विद्रोहियों ने दावा किया कि हमले में ट्रेन के छह डिब्बे पटरी से उतर गए। पहले भी बलूच विद्रोहियों ने जाफर एक्सप्रेस को बनाया निशाना पाकिस्तान की ट्रेन जाफर एक्सप्रेस को बलूच विद्रोही पहले भी कई बार निशाना बना चुके हैं। दरअसल इस ट्रेन से अक्सर पाकिस्तानी सैनिक पाकिस्तानी पंजाब से बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा आते-जाते हैं। यही वजह है कि बलूच विद्रोही संगठनों के निशाने पर अक्सर ये ट्रेन रहती है।

'मैंने जो कहा, वह बहुत असरदार था, वे रुक गए'

ट्रंप ने फिर किया भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि अगर उन्होंने टैरिफ की ताकत का इस्तेमाल न किया होता, तो आज भी चार युद्ध चल रहे होते। ट्रंप ने कहा, मैं युद्ध रोकने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल करता हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच मई में चले संघर्ष को रुकवाने का दावा किया है। इतना ही नहीं ट्रंप एक बार फिर से टैरिफ को हथियार बताने से भी नहीं चूके। उन्होंने सोमवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच

हालिया संघर्ष को रोकने में टैरिफ (आयात शुल्क) का इस्तेमाल एक हथियार के रूप में किया। जो उन्होंने कहा था, वह बहुत असरदार साबित हुआ। ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, टैरिफ अमेरिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। हम टैरिफ की वजह से शांति-रक्षक हैं। हम सैकड़ों अरब डॉलर कमाते हैं, लेकिन साथ ही टैरिफ के कारण हम युद्ध रोकने की ताकत भी रखते हैं। उन्होंने दावा किया कि अगर उन्होंने टैरिफ की ताकत का इस्तेमाल न किया होता, तो आज भी चार युद्ध चल रहे होते। ट्रंप ने कहा, मैं युद्ध रोकने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल करता हूं। अगर आप भारत और पाकिस्तान को देखें, तो वे एक-दूसरे पर हमला करने के लिए तैयार थे। सात विमान गिराए गए थे। वे लड़ाई के लिए तैयार थे। दोनों ही परमाणु शक्ति से संपन्न देश हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।